तापमान

अधिकतम 44.2 डिग्री

न्यूनतम 25.2 डिग्री

हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, शुक्रवार, 25 अप्रैल 2025

10 रैन बसेरा में गंदगी देख मेयर ने संचालक को लगाई फटकार

10 सीमेंटीकरण, नाली निर्माण और बिजली पोल लगाने दी मंजूरी

भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

छ.ग.-प्री.बी.एड. प्रवेश परीक्षा 2025
ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन अंतिम तिथि
25/04/2025
(संध्या 5 बजे तक)
बी.एम. कॉलेज
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
8770638793, 9300850065
9340311314, 9303893829

खबर संक्षेप

स्टूडेंट्स को अभिव्यक्ति एप की दी जानकारी

भिलाई। पुलिस विभाग की टीम ने गुरुवार की शाम सिविक सेंटर स्थित कोचिंग सेंटरों में पहुंचकर स्टूडेंट्स को अवेयर किया। पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के निर्देशन में एएसपी पद्मश्री तंवर के मार्गदर्शन में रक्षा टीम ने इस अभियान की शुरुआत की। महिला आरक्षक सुषमा चौरे, यमीता साहू, नागेश्वरी रामा कोचिंग सेंटर पहुंचे, जहां 80 लोगों को इमरजेंसी नंबर और अभिव्यक्ति एप की जानकारी दी गई। इसी प्रकार उड़ान कोचिंग सेंटर में आरक्षक अनुपमा बिसेन, हुलसी यादव, आशा ठाकुर ने 15, महिला थाने में 15 लोगों को अभिव्यक्ति एप की जानकारी दी। मोबाइल पर इस एप को डाउनलोड करने कहा गया। बताया गया कि अपनी निजी जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ शेयर न करें। मोबाइल में महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर को सुरक्षित रखने, आत्मरक्षा के उपायों को लेकर ज्यादा अवेयर रहें।

साफ पानी के लिए जंग: हर घर में पहुंचे शुद्ध पेयजल, उद्योगों के वेस्ट मटेरियल को रोकने की कार्रवाई हो

अफसरों के सामने जनप्रतिनिधि नतमस्तक: लगा रहे गुहार

अधिकारियों की चौखट पर गए, सुनवाई नहीं होने से बेबस लौटे

निगम के केमिकलयुक्त पानी से प्रभावित छह वार्डों के पार्षदों ने हर घर में शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए सामान्य सभा की बैठकों में जोर-शोर से मुद्दे उठाए। इतना ही नहीं कलेक्टर से लेकर महापौर व जनप्रतिनिधियों से भी गुहार लगाई। जब उनकी सुनवाई नहीं हुई तो उन्होंने जोन कार्यालय के भीतर मटके तक फोड़े। साथ ही जोन कार्यालय में जाकर वह लोगों के साथ कपड़े धोने के साथ -साथ नहाते भी नजर आए। लेकिन जनता की आवाज बुलंद करने वाले छह पार्षद आज बेबस नजर आ रहे हैं। एक पार्षद का तो यहां तक कहना है कि वह दो साल पहले कलेक्टर के पास केमिकलयुक्त पानी की समस्या लेकर पहुंचे तो उनका जवाब बड़ा मायूसी भरा था। उस समय पूर्व कलेक्टर का कहना था कि जब उद्योग लगे हैं ,तो वहां लोगो को बसने की क्या जरूरत थी। पार्षद ने पूर्व कलेक्टर को जवाब दिया कि साहब वहां पहले बस्ती थी। उद्योग तो बाद में लगे थे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

भिलाई निगम के केमिकलयुक्त पानी से प्रभावित छह वार्डों के पार्षदों की यही आवाज है कि शासन-प्रशासन ऐसी व्यवस्था करें कि हर घर में शुद्ध पेयजल पहुंचे। उद्योगों से निकलने वाले केमिकल व वेस्ट मटेरियल को खुले में न बहाएं। हर उद्योग में वेस्ट मटेरियल को शुद्ध करने के लिए ईटीपी लगवाएं जाएं और इसकी नियमित जांच हो। जो उद्योग इस व्यवस्था में लापरवाही बरतें उनके लाइसेंस प्रशासन रद्द कर दें। सख्ती से उस जमीन के भूगर्भ में फैल रहे केमिकल को आगे फैलने से रोका जा सकता है। अन्यथा एक दिन केमिकलयुक्त पानी भिलाई के लिए नासूर बन जाएगा और दूसरे इलाकों के जमीन में भी फैलता जाएगा।

हरिभूमि मुद्दा

केमिकलयुक्त पानी प्रभावित छह वार्डों के पार्षदों ने हरिभूमि से किए अपने संघर्ष साझा

वार्ड पार्षदों की जुबानी

चार बोर खुदवाए सभी में निकला केमिकलयुक्त पानी

मैं जब से वार्ड पार्षद बनी हूं तभी से केमिकलयुक्त पानी की समस्या उठा रही हूं। मेरा वार्ड सबसे बड़ा है। मैनें अपने पार्षद निधि से चार जगह बोर खुदवाएं। दो बोर पिछले साल और इस साल दो बोर। चारों में केमिकलयुक्त पानी निकला। पैसे अलग बर्बाद हुए और जनता को पानी नहीं पिला सकी। पार्षदों का दर्द सुनने वाला कोई नहीं है। निगम प्रशासन से शिकायत की। सामान्य सभा में मुद्दे को रखा। उसके बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई। सालभर मेरे वार्ड में टैंकर आते हैं तब लोगों को पानी पहुंचता है। - **वीणा चंद्राकर**, पार्षद वार्ड-41

डायरिया व पीलिया फैलाने के जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जरूरत

मेरा वार्ड 42 उद्योगों से लगा हुआ है। केमिकलयुक्त पानी इन उद्योगों से निकल रहा है। कई बार मैंने निगम प्रशासन को अवगत कराया। सदन में भी मामला उठाया। निगम की लेबोटरी में जांच की गई। जांच में पानी में टीडीएस की मात्रा निर्धारित मापदंड से कई गुना ज्यादा पाई गई। ईकालीफार्म व एच-2-एस जैसे खतरनाक बैक्टीरिया भी मिले। उद्योगों को केवल नोटिस देकर निगम प्रशासन ने अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली। पिछले साल गौतमनगर क्षेत्र में पीलिया और डायरिया फैला। 70 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए। एक महिला की मौत हो गई। -**विनोद सिंह**, पार्षद वार्ड- 42

4 दिन तक न खाना बना, न ही लोग नहाए

वार्ड 44 मूलरूप से केमिकलयुक्त हो गया है। यहां टैंकर से ही पानी आता है तब कहीं जाकर लोगों के यहां खाना बनता है और नहा पाते हैं। पिछले ढ़ाई साल पहले ऐसा भी दिन आया कि चार दिनों तक टैंकर नहीं पहुंचा। हालात को देखते हुए मैंने वार्डवासियों के साथ जोन कार्यालय का घेराव किया। कार्यालय के भीतर मटके फोड़वाएं। कपड़े भी जोन कार्यालय में लोगों ने जाकर धोए और नहाए भी। इस प्रदर्शन के बाद निगम प्रशासन जागा और टैंकर का पानी मिला। कुछ दिनों बाद वहीं स्थिति हो गई। फिर तत्कालीन जोन कमिश्नर का घेराव किया गया। निगम की सामान्य सभा में यह मुद्दा पूरे जोर-शोर से रखा है। कलेक्टर और वर्तमान भाजपा सरकार तक मैंने यह बात पहुंचाई है। शिवनाथ नदी का शुद्ध पानी लोगों के घर-घर पहुंच जाए यही मेरी कोशिश चल रही है।

-**दयासिंह**, पार्षद वार्ड 44 व उपनेता प्रतिपक्ष

कलेक्टर तक नहीं सुन रहे हैं

मैं चार साल का पार्षद हूं। पूर्व निगम सभापति भी रहा। केमिकलयुक्त पानी की समस्या सालों पुरानी है। कई बार हमने जिला व निगम प्रशासन के समक्ष ये समस्या रखी। दो साल पहले भी मैंने कलेक्टर के पास जाकर इस बात को रखा था लेकिन उनका जवाब बड़ा मायूसी भरा रहा। उनका कहना था कि जब उद्योग लगे हैं तो वहां लोगों को बसने की क्या जरूरत थी। मैने कहा कि बस्ती पहले थी उद्योग बाद में लगे। उद्योग लगने के बाद ही जो बोर खोदे गए थे वहां धीरे-धीरे केमिकलयुक्त पानी आने लगा। साल-दर साल यह बढ़ता गया और अभी भी बढ़ रहा है। इसलिए इसे रोकने की जरूरत है। नहीं तो यह और जमीन को खराब करता जाएगा। मैंने वार्डवासियों को पानी की व्यवस्था करने के लिए भागीरथी नल जल योजना लाया। यहां निगम ने उद्योगों को देकर सर्वे भी करवाया लेकिन उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की।

पी श्यामसुंदर राव, पार्षद वार्ड 45

आश्वासन मिला है, इसलिए देख रहे

मेरे वार्ड में सालों से केमिकलयुक्त पानी निकल रहा है। यह समस्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। इसे रोकने के लिए मैं खुद ही संघर्ष कर रही हूं। निगम की सामान्य सभा में इस मामले को उठाया। महापौर ने यह आश्वासन दिया है कि संबंधित जितने भी उद्योग हैं उन्हे निगम की तरफ से नोटिस भेजा जाएगा। नोटिस में उद्योगों को समय दिया जाना है कि वे केमिकलयुक्त पानी यानी वेस्ट मटेरियल को शुद्ध करने ईटीपी लगाएं और पानी नाली में न बहाएं। इसलिए इंतजार कर रहे हैं। पूरे वार्ड की जनता केमिकलयुक्त पानी से जूझ रही है। भागीरथी नल जल योजना की पाइप लाइन बिछी हुई है। इससे लोगों को पानी दे रहे हैं। लेकिन पूरे क्षेत्र की जनता को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। ये पाइप लाइन नालियों के भीतर डाल दी गई है। जिससे आए दिन लीकेज की समस्या होती है। बारिश के दिनों में संक्रमण फैलता है। -**सरितादेवी**, पार्षद वार्ड-43

आगे बंजर न हो जमीन

वार्ड के निवासी और पार्षद होने के नाते प्रशासन से यही गुजारिश है कि आगे जमीन बंजर न हो। केमिकलयुक्त पानी से आगे भूगर्भ खराब न हो इसलिए उद्योग संचालक ईटीपी लगवा लें। इसकी मानिटिरिंग पर्यावरण विभाग और निगम की संयुक्त टीम करती रहे। केमिकलयुक्त पानी बाहर बिलकुल ही नहीं बहाएं। आयुक्त से लेकर शासन-प्रशासन तक इस समस्या को रखा है। कांग्रेस की शहर सरकार है उसके बाद भी मै सामान्य सभा में यह मुद्दा उठाता रहा हूं। यहां आंगनबाड़ी है। नल से केमिकलयुक्त पानी आ रहा है। बच्चों को क्या पता। दूर दराज क्षेत्र से पानी लाने जाते हैं। इसलिए आंगनबाड़ी के बच्चों की सुरक्षा के लिए इसे दूसरी जगह शिफ्ट करने की जरूरत है। केमिकलयुक्त पानी भविष्य का खतरा बनता जा रहा है। मामला कितना गंभीर है इसे जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे। डायरिया व पीलिया तो फैल ही रहा है किसी दिन बड़ी घटना भी हो सकती है।

-**के जगदीश**, पार्षद वार्ड 46

हीट वेव: एसी और कूलर भी हांफने लगे हैं इतनी पड़ने लगी गर्मी

4 दिन में पारा 4 डिग्री बढ़कर 44 पहुंचा

65 मेगावॉट बढ़ गई बिजली की खपत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

पिछले चार दिनों से ट्विनसिटी में हीट वेव चल रहा है। लोग भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए एसी-कूलर और पंखे ज्यादा चला रहे। हाल यह है कि पारा 44 डिग्री के करीब जा पहुंचा है और एसी व कूलर भी हांफने लगे हैं। पूरे समय घरों में पंखे चल रहे हैं। जिसकी वजह से बिजली की खपत भी अचानक बढ़ गई है। 65 मेगावॉट बिजली की खपत बढ़ी है। इसके पहले यानी जब हीट वेव की स्थिति नहीं थी तो बिजली की खपत 123 मेगावॉट थी जो बढ़कर 188 मेगावॉट जा पहुंची है।

पारा 44 के करीब पहुंचा

ट्विनसिटी में हीट वेव की स्थिति चौथे दिन बुधवार को भी बनी रही। अधिकतम तापमान 43.9 डिग्री जा पहुंचा है। 10 साल में यह पांचवीं बार पारा 43 से ज्यादा पहुंचा है। मौसम विभाग ने आने वाले दो दिनों तक लू की स्थिति बनी रहने की संभावना जताई है।

लोड बढ़ने से ट्रिप हो रहे हैं ट्रांसफार्मर

एसी, कूलर व पंखों के बेतहाशा इस्तेमाल से बिजली का लोड ट्रांसफार्मरों पर बढ़ गया है। जिसकी वजह से दिन में कभी भी बिजली गुल हो रही है। रात में भी लोगों को इसी समस्या से जूझना पड़ रहा है। ऊपर से विद्युत वितरण कंपनी बिजली मेंटनेंस कर रहा है। मेंटनेंस की वजह से अलग-अलग क्षेत्रों में घंटों तक बिजली बंद की जा रही है।

ट्विनसिटी का पिछले दस साल का हीट वेव की स्थिति

वर्ष	अधिकतम तापमान	तिथि
2025	43.9	24 अप्रैल
2024	42.8	20 अप्रैल
2023	42.9	20 अप्रैल
2022	43.6	21 अप्रैल
2021	42.2	9 व 30 अप्रैल
2020	41.8	22 अप्रैल
2019	43.8	30 अप्रैल
2018	41.8	22 अप्रैल
2017	43.4	25 अप्रैल
2016	44.4	26 अप्रैल
2015	41.2	22 अप्रैल

हर दिन आ रही 3500 शिकायतें

हीट वेव का इतना प्रभाव बिजली सप्लाई पर पड़ने लगा है कि उपभोक्ताओं की शिकायतें भी बढ़ गई है। सूत्रों के मुताबिक हर दिन 3500 शिकायतें फ्यूल कॉल की आ रही है। बिजली खंबों से ही कई घरों में सप्लाई बंद हो जा रही है। उपभोक्ता तीरथ निषाद, कुंभकरण वर्मा, हिमांशु साहू , अरूण कश्यप, संजय राय आदि ने बताया कि बिजली कभी भी गुल हो रही है। संबंधित विद्युत वितरण केंद्र में शिकायत कर रहे हैं लेकिन टीम काफी देर से पहुंचती है। लोगों को इस भरी गर्मी में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

हीट वेव से खपत बढ़ी

इन दिनों हीट वेव की स्थिति है। जिसकी वजह से बिजली की खपत 65 मेगावॉट तक बढ़ गई है। एसी,कूलर और पंखे हर घर व दफ्तरों में चल रहे हैं। मेंटनेंस भी चल रहा है इसलिए बिजली बंद की जा रही है। इसकी सूचना हम पहले से दे रहे हैं।

जे जगन्नाथ प्रसाद, एसई विद्युत मंडल

दस आत्मानंद स्कूल की सौगातः इस साल चार सौ बच्चे इंग्लिश मीडिमय में पढ़ेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

राज्य शासन द्वारा दस नई स्वामी आत्मानंद स्कूल खोलने की अनुमति दे दी है। जिसके बाद इस सत्र 2025 में इन स्कूलों में चार सौ से अधिक बच्चों को एडमिशन दिया जाएगा। राज्य शासन से अनुमति मिलने के बाद शिक्षा विभाग द्वारा इन स्कूलों में बच्चों के एडमिशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हांलाकि अभी शिक्षको की भर्ती को लेकर राज्य शासन से अनुमति नही मिल पाई है। ऐसे में वर्तमान शिक्षक के जिम्मे ही स्कूल की पढाई कराई जा सकती है। मिली

अलग खबर

खास बातें

- जिले में 42 से बढ़कर होंगे अब 52 अंग्रेजी और हिन्दी मीडियम स्कूल
- शिक्षा विभाग ने सभी दस स्कूलों को एडमिशन के दिए निर्देश

पिछले साल स्वीकृति नही मिलने से बच्चों का नहीं हो सका था एडमिशन

शिक्षक के सैकड़ों पद रह गए खाली

दो साल पहले आत्मानंद स्कूल में भर्ती किए जाने के लिए आवेदन मांगे गए थे। प्रतिनियुक्ति और संविदा के लिए सैकडों आवेदन भी आए थे। बकायदा आवेदनों की स्कूटनी भी हो गई थी। लेकिन भर्ती नही हो पाई थी। जिसका आज भी शिक्षक इंतजार कर रहे हैं। जानकारी अनुसार जिले में संचालित 42 स्कूल और स्वीकृत दस स्कूलों (दस जो खुल नही पाए) में 17 सौ पद स्वीकृत किए गए थे। जिसमें 1240 शिक्षक कार्यरत है। जबकि 138 हिन्दी और 271 अंग्रेजी मीडियम स्कूल में शिक्षक की कमी है। विगत 26 सितंबर 2023 को प्रतिनियुक्ति व संविदा विज्ञापन जारी किया गया था। बहरहाल बच्चों के एडमिशन की अनुमति मिल गई है। अफसरों ने बताया कि, शिक्षक भर्ती की अनुमति मिलने पर करीब साढे तीन सौ पद भरे जाएंगे।

प्रक्रिया शुरू

पिछले साल इन स्कूलों में भर्ती नही हो पाई थी। इस बार अनुमति मिलने के साथ ही सभी दस स्कूल को अंग्रेजी माध्मय बनाया जाएगा। जहां बच्चों को एडमिशन होगा। -अरविंद मिश्रा डीईओ, दुर्ग

इन स्कूलों में इस बार होगा एडमिशन

शिक्षा विभाग द्वारा भेजे गए प्रस्ताव के तहत 10 स्वामी आत्मानद विद्यालय (**SAGES**) जिसकी घोषणा की गई थी। जिसमें शा उच्चतर माध्यमिक शाला सेक्टर 09 (हॉस्पिटल सेक्टर), शा. उच्चतर माध्यमिक शाला तिरंगा (दुर्ग), शाउच्चतर माध्यमिक शाला अंजोर ख (दुर्ग), शा.उच्चतर माध्यमिक शाला बोरसी (दुर्ग), शा हायर सेकेंडरी स्कूल कतरो (दुर्ग), शा.उच्चतर माध्यमिक शाला कुगदा (पाटन), शा उच्चतर माध्यमिक शाला पुरैना (पाटन), शा उच्चतर माध्यमिक शाला पाउवारा (दुर्ग), शा.उच्चतर माध्यमिक शाला अण्डा (दुर्ग), शा उच्चतर माध्यमिक जे.पी. नगर कैम्प 02 (भिलाई) थे। जानकारी अनुसार जिले में हिन्दी व अंग्रेजी के 42 स्कूल वर्तमान में संचालित है, इसमें दस स्कूल पिछले साल अंग्रेजी माध्यम में तब्दील नही हो पाई थी। दस नए स्कूल के अस्तित्व में आने के बाद अब इसकी संख्या 52 हो जाएगी। आत्मानंद स्कूल खुलने के बाद मिले व्यापक समर्थन के चलते यहां एडमिशन लेने का क्रेज भी बढा हैं। उल्लेखनीय है कि, जिले में 38 अंग्रजी मीडियम स्कूल है, जहां वर्तमान में 25911 बच्चे अध्ययन कर रहे है, वही हिन्दी मीडियम के 14 स्कूल है, जिसमें 6124 बच्चे भर्ती है। इन तरह दोनो मीडियम में 32 हजार से अधिक बच्चे अंग्रेजी और हिन्दी मीडियम की पढाई रहे है। लेकिन दस स्कूल नही खुलने से सैकडों बच्चे और परिजन का सपना टूट गया है।

खबर संक्षेप

खेलो इंडिया स्टेट सेंटर के लिए ट्रायल बिलासपुर में आयोजित

दुर्ग। खेल एवं युवा कल्याण विभाग छ.ग. शासन द्वारा बिलासपुर जिले में संचालित खेलों इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस अंतर्गत तीरंदाजी, हॉकी एवं एथलेटिक बालक, बालिका आवासीय खेल अकादमी एवं राज्य शासन द्वारा बालिका आवासीय कबड्डी अकादमी में सत्र 2025-26 हेतु नवीन खिलाड़ियों के प्रवेश दिया जा रहा है। आवासीय अकादमियों में प्रवेश हेतु तीरंदाजी, हॉकी एवं एथलेटिक बालक-बालिकाओं एवं बालिका कबड्डी हेतु चयन ट्रायल का आयोजन 29 एवं 30 अप्रैल 2025 को स्व. बीआर यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केन्द्र बहरतराई जिला बिलासपुर में किया जायेगा। चयन ट्रायल के अकादमी संचालन नियमानुसार 13 से 17 आयु वर्ग के बालक-बालिका भाग ले सकते है।

सेल्फ एम्प्लोएड टोईलर ट्रेड में निःशुल्क प्रशिक्षण

दुर्ग। अंत्यावसायी व्यवसायिक प्रशिक्षण केन्द्र औद्योगिक क्षेत्र जवाहर नगर गेट के पास धमधा नाका दुर्ग में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत अनुसुचित जाति वर्ग के इच्छुक युवतियों को सेल्फ एम्प्लोएड टोईलर ट्रेड में निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण अवधि 3 माह की होगी। इच्छुक अभ्यर्थी 30 अप्रैल 2025 तक आवेदन कर सकते है। अंत्यावसायी व्यवसायिक प्रशिक्षण केन्द्र दुर्ग के प्रबंधक से मिली जानकारी अनुसार आवेदक की वार्षिक आय 15 हजार रूपए तक हो, उम्र 14 से 45 वर्ष हो। अनुसुचित जाति वर्ग के पात्र एवं इच्छुक आवेदक आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन कर सकते है।

भूजल स्तर गिरने से डेढ़ सौ से अधिक हैडपंप भी हो चुके बंद

जिले में 550 फुट बोरवेल्स खोदने पर भी नहीं मिल रहा पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

जिले में जलस्तर की स्थिति दयनीय बनी हुई है। ग्रामीणो की पेयजल की समस्या को देखते हुए जब पीएचई विभाग ने बोरवेल्स कराया तो साढे पांच सौ फूट तक पानी नही मिलने से अफसर हैरान रहे। धमधा और दुर्ग के आधा दर्जन गांव में पीएचई विभाग ने मांग के अनुसार बोरवेल्स कराया। साढे पांच सौ फूट तक खुदाई की गई और एक बूंद पानी नही मिला। यह हालात धमधा और दुर्ग में सामने आया है। जिले में जलस्तर गिरने के कारण अब तक 155 हैडपंप बंद हो चुके है। हांलाकि धमधा ब्लाक के लगभग अस्सी फीसदी क्षेत्र ड्राई माना जाता है। लेकिन ड्राई के इस सीमा में अब दुर्ग ब्लाक भी शामिल हो गया है। अफसरों ने बताया कि, पेयजल की समस्या होने पर ग्रामीणों की मांग के अनुसार धमधा के धरमपुरा में 550 सौ फूट तक खुदाई की गई, जहां मुश्किल से दो का मोटर लगाया गया है। यहां सिर्फ सिपेज वाटर से बोर चलेगा। वहीं दुर्ग के गिनयारी और खेदामरा गांव में साढे पांच सो फूट तक खुदाई किया गया। यहां भी एक बूंद पानी पीएचई विभाग को नही मिला हैं। जिससे पीएचई विभाग के अफसर भी सक्ते में आ गए हैं। यही हाल दुर्ग के ग्राम कोढिया में सामने आया है। जहां 550 फूट तक की गहराई किए जाने के बाद भी एक बूंद पानी नही मिला। अफसरों की माने तो इससे पहले इस तरह के हालात नही थे। लेकिन इस साल जलस्तर साढे पांच सौ नीचे तक चला गया हैं।

भूजल स्तर गिरने से 155 हैंडपंप बंद

जानकारी अनुसार जिले में 5219 हैंडपंप स्थापित है। जिसमें 4933 हैंडपंप चालू बताए जा रहे है। जबकि 286 हैंडपंप बंद हो चुके है। वही 155 हैंडपंप ऐसे हैं, जहां जलस्तर गिरने से बंद हो गए है। जबकि साठ हैंडपंप सुधार योग्य नही है। अफसरों ने बताया कि, धमधा ब्लाक के कई हैंडपंप काम करना बंद कर चुका है। पीएचई विभाग ने यहां हैंडपंप की जांच कराई तो तीस मीटर तक जलस्तर नीचे चला गया हैं। वही दुर्ग ब्लाक के हैंडपंप में जलस्तर 25 मीटर तक नीचे है। ऐसे में हैंडपंप बंद होने के कगार में हैं।

नदी किनारे की स्थिति चिंताजनक

शिवनाथ नदी किनारे हर साल पानी होने के कारण जलस्तर बरकरार रहता था। लेकिन इस बार भी नदी किनारे गांव में जलस्तर गिरने लगा है। नदी से लगे ननकट्टी गांव के किसान रवि तामकार ने बताया कि, उन्होने सात सौ फूट बोर खनन कराया, लेकिन पानी नही निकला। नदी किनारे का क्षेत्र होने के बाद ऐसी स्थिति देख वे भी हैरान हो गए। ग्रामीणों की माने तो रवेली, सघनी, बांसघाट, झेंझरी एनीकट भी सूख गया हैं। जबकि पिछले साल यहां पन्द्रह फीट तक नदी में पानी भरा था।

एक वाहन के भरोसे जिला

विगत दिनों जिला पंचायत के सामान्य सभा में जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों द्वारा बोर कराए जाने की मांग को अफसरों के समक्ष रखा। अफसरों ने बताया कि, अब तक सौ से अधिक डिमांड आ चुके है। सभा में जनप्रतिनिधि हैरान तब रहे जब बताया गया कि, उनके पास सिर्फ एक ही वाहन उपलब्ध है। एक दिन में वे सिर्फ एक ही बोरवेल्स कर पा रहे हैं। जनप्रतिनिधियों ने कहा ऐसे में तो डिमांड होने के पहले सीजन समाप्त हो जाएगा और भरी गर्मी में पेयजल संकट समाप्त करना मुश्किल होगा।

धान फसल लेने वाले किसान भी परेशान

जिले में इस बार धान फसलों की भी दयनीय स्थिति है। कई गांव में किसान धान का फसल मरने के कारण मवेशियों को छोड चुके है। समोदा के किसान शिशुपाल देशमुख ने बताया कि, उन्होने तीन एकड में फसल लगाया था। पानी नही होने के कारण फसल मर चुका है। वहीं मनीष ठाकुर का दो एकड और दिनेश देखमुख का दो एकड व चितराखन देखमुख एक एकड में धान लगाने की बात बताई। लेकिन पानी की कमी से वे फसल को मवेशियों के हवाले कर चुके हैं।

बोरवेल्स सक्सेज नहीं

धमधा और दुर्ग के कुछ गांव में साढे पांच सौ फूट तक पानी नही मिल रहा है। इससे ज्यादा खुदाई की अनुमति नही है। पहली बार जिले में जलस्तर इतना कम हुआ है। -पीएस ठाकुर, एसडीओ दुर्ग

औचक निरीक्षण

रैन बसेरा में गंदगी देख मेयर ने संचालक को लगाई फटकार

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

महापौर अलका बाघमार ने न्यू बस स्टैंड में संचालित रैन बसेरा का आकस्मिक निरीक्षण किया। वहां की व्यवस्थाओं व सुविधाओं का जायजा लिया तथा व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर बनाने के सख्त निर्देश दिए। इस दौरान वहां बाथरूम में गंदगी मिलने पर संचालक को फटकार लगाई।उन्होंने रैन बसेरा में रात्रि विश्राम हेतु ठहरे हुए लोगों से भी भेंट की तथा रैन बसेरा में उपलब्ध सुविधाओं पर उनसे चर्चा की। मौके पर बाथरूम में सफाई व्यवस्था सही नही पाए जाने पर रैन बसेरा के संचालक पर नाराजगी जाहिर करते हुए जमकर फटकार लगाई कहा सफाई व्यवस्था बेहतर बनाकर रखें। इसके आलावा महापौर ने पुलगांव स्थित गौठान का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने कल्याणम महिला स्व सहायता समूह के संचालक से मुलाकात की और गौठान की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। डाक्टर द्वारा प्रतिदिन गायों के स्वास्थ्य की जांच और इलाज की जानकारी लेने के साथ ही गौठान में मवेशियों के लिये की गई व्यवस्थाओं को लेकर महापौर ने समूह के संचालक से गौठान में गायों के रहने की व्यवस्था और चारा आदि के प्रबंधन की भी जानकारी ली। महापौर ने गौठान की स्थिति का जायजा लेते हुए सख्त निर्देश देते हुए कहा कि बारिश के मौसम के कारण पानी का जमाव वाले स्थानों पर शेड निर्माण जल्द शुरू करने के निर्देश भी दिये ताकि जानवरों को बारिश और कीचड़ से बचाया जा सके।

- अचानक निरीक्षण में पहुंची मेयर अल्का रैन बसेरा

मुक्तिधाम मार्ग चौड़ीकरण कार्य का भूमिपूजन

शिवनाथ नाथ मुक्तिधाम मार्ग डामरीकरण कार्य महापौर अलका बाघमार द्वारा डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। मौके पर उन्होंने अधिकारियों के साथ निर्माण कार्य स्थल का निरीक्षण कर शिवनाथ नदी गंजपारा महमरा मार्ग पर डामरीकरण सड़क चौड़ीकरण कार्यो को लेकर कार्य मे तेजी लाने की बात मौजूद अधिकारियों से कही।

निकायों में लगेंगे शिविर, समीक्षा बैठक में प्राप्त आवेदनों का होगा निराकरण

दुर्ग। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में सुशासन तिहार-2025 कार्यक्रम संचालित है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में जिले में सुशासन तिहार 2025 के तहत पहले चरण (8 अप्रैल से 11 अप्रैल 2025 तक) में समाधान पेटी, ऑनलाइन माध्यम से आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। उक्त प्राप्त हुए आवेदन पत्रों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाना है। निराकरण की प्रगति की समीक्षा निर्धारित तिथियों एवं स्थानों में प्रातः 10 बजे से की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 अप्रैल को नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र तथा नगर पंचायत उतई क्षेत्र के आवेदनों की समीक्षा लोक निर्माण विभाग दुर्ग के सभागार में की जाएगी। इसी प्रकार 27 अप्रैल को नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र तथा नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र के आवेदनों की समीक्षा नगर पालिक निगम भिलाई के सभाकक्ष में होगा।

अधिवक्ता संघ ने राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद ने उच्च न्याय पालिका में हाल ही में हुई घटनाओं के पश्चात विभिन्न क्षेत्रों के महत्वपूर्ण व्यक्तियों से बातचीत की और उच्च न्यायालय और जिला स्तर के अधिवक्ताओं से फीड बैंक प्राप्त करने के उपरांत अपनी राष्ट्रीय कार्यकारणी की बैठक विगत 12 एवं 13 अप्रैल 2025 को विजयवाडा (आंध्र प्रदेश) में नियुक्ति और न्यायिक आचरण की निगरानी की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए व कानून लाने और स्वतंत्र न्याय पालिका की जवाबदेही पर प्रस्ताव पारित किया। आज 24 अप्रैल को अधिवक्ता परिषद छत्तीसगढ़ प्रांत की सभी जिला इकाई के द्वारा जिले के कलेक्टर के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति महोदया एवं सम्माननीय मुख्य न्यायमूर्ति महोदय सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली को उपरोक्त प्रस्ताव प्रेषित कर उस पर अग्रिम कार्यवाही करने

ज्ञापन सौंपा गया। अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद जिला इकाई दुर्ग के द्वारा 12 अप्रैल को राष्ट्रीय कार्यकारणी की बैठक में पारित प्रस्ताव की प्रति एवं ज्ञापन जिलाधीश दुर्ग को सौंप कर कार्यवाही हेतु निवेदन किया गया। इसी के साथ में विगत दिनों कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों द्वारा 26 भारतीयों को बर्बरतापूर्वक गोली मारकर हत्या की निन्दा करते हुए आतंकियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने के दौरान अधिवक्ता परिषद दुर्ग इकाई के अध्यक्ष समीर त्रिपाठी महामंत्री दीपेंद्र देशमुख, राजेश कुमार महाडीक, लक्ष्मीकांत शर्मा,ए म. कामाक्षम्मा आदि मौजूद थे।

एक राष्ट्र एक चुनाव पर बीजेपी कार्यालय में कार्यशाला

बार-बार चुनाव होने से देश की आर्थिक उन्नति में पड़ता है प्रभाव

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर दुर्ग और भिलाई जिला ने संयुक्त रूप से कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में वक्ताओं ने अलग-अलग बिंदुओं को समझाते हुए एक राष्ट्र एक चुनाव देश के लिए क्यों आवश्यक है, इसे स्पष्ट किया और कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि जमीनी स्तर पर आमजनों से मिलकर छोटे-छोटे कार्यक्रमों के माध्यम से जन जागरण करें। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि केंद्र और अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग समय में निरंतर चुनाव चलते रहते हैं। बार-बार चुनाव होने से 5 साल में देश की आर्थिक उन्नति पर विपरीत प्रभाव पड़ता है और देश का सकल घरेलू उत्पादन प्रभावित होता है। उन्होनें कहा दिनोंदिन चुनावी खर्चे बढ़ते जा रहे है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में 1.35 लाख करोड़ रु खर्च हुए जबकि 2019 के चुनाव में 60000 करोड़ रु खर्च हुए थे। भिलाई जिला भाजपा अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने कहा कि देश का प्रशासनिक तंत्र लगातार चुनावों में उलझा रहता है। अधिकारी कर्मचारी अपने मूल कर्तव्य पालन से विरत हो जाते हैं, जिससे सरकारी कामकाज प्रभावित होता है। विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा ने कहा प्रधानमंत्री की प्रगतिशील सोच है कि 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बने, इस दिशा में एक राष्ट्र एक चुनाव की अहम भूमिका होगी। विधायक गजेंद्र यादव ने कहा हर 3 महीने के अंतराल में देश के किसी न किसी हिस्से में चुनाव होते हैं, इससे विकास की गति कमजोर होती है एक राष्ट्र एक चुनाव आने से ऐसी स्थिति से निजात मिलेगी। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि देश के सुरक्षा बलों का काम सीमा पर प्रहरी के रूप में रक्षा करना है किंतु बार-बार चुनाव होने से वे देश भर में बार बार आवागमन करते हैं जिससे सुरक्षाबालों को परेशानी होती है।

- एक देश एक चुनाव की बताई गई खासियत, सैकडों कार्यकर्ता रहे मौजूद

एमआईसी की बैठक में विभिन्न विकास कार्यों की मंजूरी

सीमेंटीकरण, नाली निर्माण और बिजली पोल लगाने दी मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के महापौर परिषद की बैठक महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बिन्दुवार 10 एजेण्डा विस्तृत चर्चा हेतु रखा गया था। जिसमें प्रमुख रूप से मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना अंतर्गत प्रथम चरण में प्रदेश के समस्त नगर पालिक निगमों हेतु शहर में यातायात की बढ़ती समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए सड़क निर्माण, चौंडीकरण जैसे अन्य कार्य कराया जाना है। इसी के तारतम्य में जोन 2 वैशाली नगर क्षेत्रांतर्गत विकास कार्यो को समिति के सदस्य के समक्ष प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से वार्ड क्रं. 21 विद्युत पोल क्रं. 21/360, वार्ड क्रं. 23 घॉसीदास नगर कर्बला मैदान के सामने मुख्य मार्ग, वार्ड क्रं. 21 कैलाश नगर विद्युत पोल क्रं. 21/347 तक अटल आवास मार्ग, वार्ड क्रं. 22 प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल तक, वार्ड क्रं. 21 महावीर मार्ग का सीमेंटीकरण एवं नाली निर्माण, वार्ड क्रं. 25 जवाहर नगर वेडिंग जोन से ज्योतिबा फुले चौंक तक, वार्ड क्रं. 22 कुरूद बस्ती से गोकुल नगर तक डामरीकरण एवं सीमेंटीकरण एवं नाली निर्माण 634 लाख 67 हजार के प्रस्ताव की आवश्यकता को देखते हुए स्वीकृति प्रदान किया गया।

जोन तीन में इन कार्यों का प्रस्ताव मंजूर

जोन 3 में सड़क नं. 18 के बगल से जवाहर मार्केट तक, बैकुण्ठधाम मंदिर से होते हुए किशन चौंक होते हुए नंदिनी रोड तक की स्वीकृति प्रदान की गई। वार्ड 7 रानी अवंती बाई सरोवर का सौंदर्यीकरण कार्य वार्ड पार्षद, आम नागरिको के मांग अनुसार एवं उच्च अधिकारियों के भ्रमण के दौरान कार्य की आवश्यकता को देखते हुए 181 लाख 39 हजार का पत्र शासन को भेजे जाने से पूर्व अनुमति हेतु महापौर परिषद में रखा गया था। जिसे परिषद में चर्चा के बाद स्वीकृति प्रदान की। शहीदों के सम्मानों में उनके नाम पर सड़कों, चौराहों, भवनों एवं ईमारतों के नामकरण के संबंध में प्रस्ताव आया जिस पर समिति के सदस्यों ने चर्चा के दौरान महापौर पाल ने अधिकारियो को यह भी बताया कि यह ध्यान रखा जावे कि किसी भी चौंक चौराहो का पूर्व में नामकरण न हुआ हो।

आंतकी हमले के मृतकों को दी श्रद्धाजंलि

महापौर परिषद के सदस्यगण, आयुक्त एवं अधिकारीगणों द्वारा पहलगांव में आतंकी हमलों में हताहत हुए पर्यटकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए मौन रखा गया। ईश्वर से प्रार्थना किया गया कि उनके परिवारो को दूख सहने का संबल प्रदान करें। जो लोग घायल है वे शीध्र स्वस्थ्य हो जावे। बैठक में महापौर परिषद के सदस्य लक्ष्मीपति राजू सीजू एन्थोनी, संदीप निरंकारी, आदित्य सिंह, एकांश बंछोर, लालचंद वर्मा, केशव चैबे, चंद्रशेखर गंवई, नेहा साहू, आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, सचिव नरेन्द्र कुमार बंजारे, जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत, सतीश यादव, रवि सिन्हा, कुलदीप गुप्ता, कार्यपालन अभियंता आर.एस.राजपूत, अरविंद शर्मा, संजय अग्रवाल आदि मौजूद थे।

रिटर्निंग वॉल, सस्पेंशन ब्रिज, पाथवे निर्माण, गार्डन निर्माण होगा

शिवनाथ तट पर्यटन स्थल के रूप में होगा तब्दील

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

शिवनाथ नदी तट का संरक्षण करने रिटर्निंग वाल, सस्पेंशन ब्रिज, पाथवे निर्माण और महमरा की ओर गार्डन निर्माण होगा। यहां पर आने वाले नागरिकों की संख्या को देखते हुए इस जगह को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने कार्ययोजना को लेकर विधायक गजेन्द्र यादव ने शहर के जनप्रतिनिधियों, अधिकारी और इंजीनियर की टीम के साथ स्थल निरिक्षण कर सभी तकनीकी पहलुओं की जानकारी लिए। महाशिवरात्रि पर लगने वाले मेले और महाआरती जैसे धार्मिक आयोजनों में आने वाले श्रद्धालुओं के बैठक हेतु सिटिंग गैलरी सहित अन्य सुविधाओं में विस्तार और पार्किंग जोन तथा पाथवे बनने से नदी किनारे प्राकृतिक वातावरण में सुबह शाम घूमने वाले नागरिकों की संख्या और बढ़ेगी। इसे लेकर पार्किंग जोन भी बढ़ाया जायेगा। दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में शासन से स्वीकृति सभी कार्यों को प्रारंभ कराने विधायक गजेन्द्र यादव प्रतिदिन फील्ड में पहुंच रहे है।

इस तरह डेवलप होगा नदी का तट

जल संसाधन के एसडीओ शुक्ला ने बताया कि, शिवनाथ तट का संरक्षण करने शिवनाथ ब्रिज गुरुद्वारा के पास से फिल्टर प्लांट तक रिटर्निंग वॉल के साथ पाथवे निर्माण होगा। नदी के ऊपर 230 मीटर बनने वाले लंबे ब्रिज पर सजावटी रंगीन लाइट्स लगेंगे। महमरा घाट की ओर लगभग ढाई एकड़ जमीन पर सुंदर गार्डन बनेगा, जिसमे सजावटी फूलों की गैलरी, सेल्फी पॉइंट, झूला, मॉर्निंग वॉक के लिए पाथवे, कैंटीन, बच्चों के मनोरंजन के लिए उपकरण लगेंगे ताकि लोग परिवार सहित समय बिता सके।

शासन को प्रस्ताव भेजने के निर्देश

विधायक गजेन्द्र यादव ने बताया कि, शिवनाथ नदी तट पर रिटर्निंग वाल, सस्पेंशन ब्रिज, पाथवे निर्माण, गार्डन निर्माण सहित पूरे क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने को लेकर जल संसाधन विभाग के अधिकारियों और इंजीनियरों के साथ विस्तार से निरीक्षण किया। वहीं 2024- 25 में राज्य शासन के बजट में प्रावधानित कार्य का लेआउट व अन्य सभी पहलुओं पर चर्चा करते हुए सभी आवश्यक बिंदुओं को जल्द तैयार कर शासन को डीपीआर भेजने के निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

लोकतंत्र प्रहरी छग इकाई के प्रदेश अध्यक्ष बने विशाल

भिलाई। लोकतंत्र सेनानी संघ के उत्तराधिकारी संगठन लोकतंत्र प्रहरी ने अपनी छत्तीसगढ़ इकाई का गठन करते हुए प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों की घोषणा कर दी है।

यह घोषणा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने ने किया है। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष विशाल राजहंस को बनाया गया है। सहअध्यक्ष अमित छाबड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष हेमंत उपासने (रायपुर), कृष्णकांत पवार (बालोद), विरेश सिंह (सूरजपुर), और मनोज निर्वाणी (राजनांदगांव) को मनोनीत किया। महामंत्री हरमिंदर सिंह टिन्नी (अंबिकापुर), अंजना जायसवाल (मुंगेली), नरेंद्र शर्मा (तिलदा नेवरा), शशांक शुक्ला (रायपुर) को बनाया गया है। मंत्री के रुप में विनय मोटवानी, जितेंद्र गुप्ता, मंगेश टांगसाले, मधु यादव को बनाया गया। कोषाध्यक्ष मधु विजय पटेल, देवेंद्र पुनीतराम साहू को नियुक्त किया है।

ठेका श्रमिकों के परिवार को दी सहयोग राशि

भिलाई। स्टील ठेका श्रमिक यूनियन की बैठक सेक्टर 4 यूनियन कार्यालय में हुई। बैठक में बीएसपी के ठेका श्रमिकों की समस्या के समाधान के गठित श्रमिक वेलफेयर एसोसिएशन के श्रमिक हित में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई । यूनियन के अध्यक्ष संजय साहू ने बताया कि 1 वर्ष के अंदर 104 ठेका श्रमिकों को सहयोग राशि प्रदान की गई। जल प्रबंधन विभाग के ठेका श्रमिक शंकर टांडी जिसका जोरा तराई के नहर में नहाते समय डूबकर मृत्यु हो गई थी । उनके परिवार के सदस्य को 10 हजार रुपए और कोकोवन के जीवन लाल साहू को 4 हजार रूपए, मुकेश गायकवाड को 5 हजार रूपए, अरुण बंजारे को 5 हजार रूपए सहयोग राशि दी गई।

निधन

चंद्रशेखर चंद्राकर

सेलूद। ग्राम जामगांव एम निवासी चंद्रशेखर चंद्राकर उम्र 67 वर्ष का

निधन 24 अप्रैल को हो गया। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। वे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शिव प्रसाद चंद्राकर के पुत्र, प्रवीण व नवीन चंद्राकर के पिता और युवा कांग्रेस नेता उज्जवल चंद्राकर के बड़े पिता थे।

गोमती बाई टावरी

भिलाई। नाका चौक गंजपारा दुर्ग निवासी गोमती बाई टावरी का

निधन 24 अप्रैल को हो गया है। उनकी अंतिम यात्रा 25 अप्रैल को सुबह 10 बजे निवास स्थान से शिवनाथ नदी मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे स्व. धनराज टावरी की पत्नी, हरिशंकर, कृष्ण कुमार, महेश, मनोज टावरी की मां एवं दिनेश, कमलेश, सौरभ, मधुर, यश टावरी की दादी थीं।

पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम में पालकों को 1 हजार दिन की दी जानकारी

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पोषक तत्व की होती है आवश्यकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

ग्राम पंचायत आमटी के पोषण पखवाड़ा के समापन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें ग्राम के सरपंच दुर्गा चौधरी, आंगनबाड़ी को बेहतर बनाने में सहयोग करने का आश्वासन सरपंच ने दिया। पर्यवेक्षक रेखा लोनारे ने बाल्यावस्था में देखभाल एक हजार दिन पर विस्तार से जानकारी दिया। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पोषक तत्व की आवश्यकता, पोषण खजानी का उपयोग करने और बच्चों को चिप्स, कुरकुरे जैसे बाजार में उपलब्ध खजानी के स्थान पर पोषण खजानी जैसे फूटा चना, गुड़, मूंगफली, तिल के लड्डू, चिकी पट्टी, अंकुरित मूंग, चना उपयोग करने कहा गया। उपस्थित समुदाय को अन्य पालकों को जानकारी देने कहा गया। जिससे पालकों में जागरूकता आए और बच्चे कुपोषण से दूर रह सके। आज के स्वस्थ बच्चे कल के स्वस्थ समाज का निर्माण करेंगे। इस अवसर पर सरपंच दुर्गा चौधरी ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को छोटे बच्चों का देख भाल अच्छे से रखना क्योंकि शून्य से पांच साल तक छोटे बच्चों का बहुत ध्यान देना पड़ता है। कार्यक्रम में उर्वशी चौधरी, संध्या चौधरी, प्रमिला पवार, मोनिका पटेल, संगीता पटेल, कार्यकर्ता शशी कला चौधरी, सहायिका रामहीन उपस्थित थे।

आमटी में हुआ पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम

खोपली में मना पखवाड़ा दिवस

उतई। महिला बाल विकास विभाग दुर्ग परियोजना अधिकारी दुर्ग ग्रामीण उषा झा द्वारा ग्राम पंचायत खोपली के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1, 2, 3 में पोषण पखवाड़ा दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत खोपली सरपंच मंजू फत्ते वर्मा उपस्थित थे। इस अवसर पर परियोजना अधिकारी में गर्भवती धात्री माताओं व 0 से लेकर 6 वर्ष की बच्चों को पोषण पखवाड़ा 1000 दिवस की जानकारी दिया गया। कुपोषण को दूर करने के लिए किस प्रकार पोषण युक्त आहार व प्रोटीन के बारे संपूर्ण जानकारी दिया गया और शिशु 6 माह ऊपर होने पर उसको किस प्रकार ऊपरी आहार देना चाहिए इसके बारे में बताया गया। वहीं रेडी टू इट से किस प्रकार व्यंजन बनाया जाता है इसकी भी जानकारी दिया गया। इस अवसर पर जनपद सदस्य बिंदु देशलहरे, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता धरम चंदेल, मधुलता काकड़े, दीपक चंद्राकर, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता सरला खोभरा, आंगनबाड़ी सहायिका गंगा साहू, अमरीका वर्मा, साम बाई कोशले व ग्रामीण माताएं बहनें उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास के लिए छूटे हुए हितग्राहियों का कर रहे हैं पंजीयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

ग्राम विनायकपुर में प्रधानमंत्री आवास पंजीयन जोरों से चल रहा है। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के ग्राम पंचायत विनायकपुर में प्रधानमंत्री आवास के लिए छुटे हुए हितग्राहियों पंजीयन जारी है। वहीं 23 अप्रैल तक 240 हितग्राहियों से ज्यादा मोबाइल लिंक द्वारा पंजीयन कराया जा चुका है। घर-घर जाकर आवास पंजीयन में लगे ग्राम पंचायत विनायकपुर के सरपंच योगेंद्र दिल्लीवार, क्षेत्र के जनपद सदस्य अजीत चंद्राकर, रोजगार सहायक सविता ठाकुर, कंप्यूटर ऑपरेटर सुमंत देवांगन के द्वारा घर-घर जाकर पंजीयन चल रहा है। वहीं इतवारी सतनामी, प्रमिला देशमुख, रेनू मारकंडे, सुनीता देवांगन, रूपा बाई देवांगन, पूजा देशमुख सहित विभिन्न हितग्राहियों का पंजीयन चल रहा है। वहीं 30 अप्रैल तक शत प्रतिशत पंजीयन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आवास के लिए ग्राम के हितग्राहियों का भरपूर समर्थन जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों को मिल रहा है।

- 30 अप्रैल तक शत-प्रतिशत पंजीयन करने का लक्ष्य निर्धारित

सरपंच ने कहा कि कोई भी पात्र हितग्राही आवास पंजीयन में ना छूटे इसलिए सभी वार्डों में सर्वे करवाया जा रहा है। क्षेत्र के जनपद सदस्य ने भी कहा की सभी हितग्राहियों को आवास योजना का लाभ दिलाने के लिए भरपूर प्रयास करेंगे। कोई भी हितग्राही शासन की योजना का लाभ ले सकता है इसलिए सभी जनता से अनुरोध है कि सर्वे में लगे सभी सदस्यों का सहयोग करें।

लापरवाही की भेंट चढ़ गया लाखों की लागत से बनाया गया कृष्णकुंज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

मामला पाटन का हो और वन विभाग का नाम न हो तो बात ही नहीं बनती, आपको बता दें कि शासन द्वारा लाखों-करोड़ों रूपये खर्च कर पर्यावरण को सुदृढ़ बनाने हरा भरा रखने कई योजना बनाकर लाखों करोड़ों की लागत से नर्सरी व अन्य पौधरोपण का कार्य कराया जाता रहा है। उसी क्रम में पाटन विधानसभा के नगर पंचायत पाटन के वार्ड क्रमांक 2, 3 में वनविभाग द्वारा पर्यावरण के संदेश देने कृष्ण कुंज नाम से नर्सरी बनाया गया है जिसमें लाखों रूपये खर्च किये गए है। वहीं उनके देखरेख के लिए दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी, मजदूर भी रखे गए थे, लेकिन आज आलम यह है कि इस लाखों के प्रोजेक्ट नर्सरी की देखरेख करने की फुरसत आज किसी अधिकारी के पास नही है। पानी की कमी व देखरेख के आभाव में पेड़, पौधे सुख गए हैं। पाटन में स्थापित वन विभाग का कार्यालय तो बना है लेकिन अधिकारी नहीं रहते, आवश्यक कोई कार्य या कोई उच्च अधिकारियों के आने पर ही दर्शन देते हैं बाकि समय गायब रहते हैं। लोगो का कहना है कि क्षेत्र में प्रतिबंध कौहा की कटाई जोरों पर है जिसमें अधिकारियों का आशीर्वाद भरपूर बना हुआ है जिसके कारण लकड़ी कोचीया बेफिक्र होकर लकड़ी भरकर ले जाते हैं जिस पर किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं होती। कार्यालय का आलम यह है कि कार्यालय में शासकीय अधिकारी कर्मचारी नही, दैनिक वेतन भोगी के रूप में कार्यरत मजदूर कार्यालय संभाल रहे हैं। पूरा कार्य इनके भरोसे हो रहा है, ऐसे अधिकारी कर्मचारी के लापरवाह कार्यों से शासन सहित पर्यावरण को क्षति पहुंच रही है व लाखों का नुकसान शासन को हो रहा है।

- पाटन में स्थापित वन विभाग कार्यालय में नहीं रहते अधिकारी
- देखरेख के आभाव मे सूख गए पौधे

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों एवं उनके माता-पिता का सम्मान कर भगवान श्रीराम का चित्र किया भेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जामगांव आर

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जामगांव आर में 24 अप्रैल को परीक्षा परिणाम समारोह आयोजित कर स्वशासी वार्षिक परीक्षा परिणाम की घोषणा किया गया। विद्यालय स्तर पर प्रत्येक कक्षा के टाप फाइव प्रतिभाशाली विद्यार्थियों एवं उनके माता-पिता का सम्मान अयोध्या विराजित भगवान श्री राम का लेमिनेटेड तैल चित्र भेंट कर किया गया। मंच पर अतिथि रोहित साहू, पूर्व छात्रा, पालक, देवकी कटबेर, प्रतिमा साहू, सुषमा साहू मंचासिन थे।

- सशिमं उमा विद्यालय जामगांव आर में परीक्षा परिणाम घोषित

प्राचार्य पीएल बारले ने कहा कि विद्यार्थियों को होनहार बनाने भविष्य संवारने में माता-पिता, गुरु संयुक्त सजग भूमिका निभाए। विद्यार्थियों का जब परीक्षा परिणाम आता है तो वह केवल विद्यार्थी का ही परिणाम नहीं समझे इसमें माता-पिता गुरु की हिस्सेदारी सजगता उदासीनता झलकती है। विद्यालय अवधि में गुरु 6 घंटे मेहनत करते है जब विद्यार्थी घर पहुंचकर अध्ययन में रुचि नहीं लेता और 18 घंटा व्यर्थ गंवाता है तब परिणाम संतोषजनक नहीं आ पाता और गुरु के मेहनत पर पानी फिर जाता है। जिनका भी परिणाम अच्छा आ रहा है निश्चित ही पालक, बालक, गुरु का मेहनत जग जाहिर होती है। वहीं विद्यालय समिति अध्यक्ष कामता प्रसाद साहू ने कहा कि स्कूल वही गुरु वही और परिणाम अलग-अलग विचारणीय है, चिंतन योग्य है। कमजोर परिणाम आने पर माता-पिता का विद्यार्थी पर नियंत्रण विद्यार्थी का संगत विद्यालय के बाद घर में पढ़ाई करने की रुचि पर मंथन कर कमजोरी दूर करने का सतत प्रयास होते रहना चाहिए। समय निकालकर स्कूल में संपर्क कर बच्चे की पढ़ाई हाल चाल जाना चाहिए। श्री साहू ने माता-पिता को अलर्ट करते कहा कि बच्चे के संगत और समय का अवश्य ध्यान रखे कमजोर बच्चा भी होनहार बन सकता है।

सरस्वती शिशु मंदिर बच्चों को होनहार बनाता है

अतिथि पालक देवकी कटबेर ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर बच्चों की नींव मजबूत करने में सशक्त भूमिका निभाती है। मैं विद्यालय की पूर्व छात्रा हूं, मेरी नींव मजबूत करने में इस विद्यालय ने ऐसी नींव मजबूत की आज में शासकीय सेवारत होकर जिंदगी को शानदार तरीके से दिशा दे पा रही हूं। मेरे बच्चे भी इस विद्यालय कक्षा में टॉप फाइव में आकर प्रतिभा का प्रदर्शन किया है जो गर्व का विषय है।

अरूण व मोनिका के 100 प्रतिशत अंक, क्लास में मारी बाजी

कक्षा अरुण में प्रथम मोनिका एवं रूबी 100 प्रतिशत , द्वितीय नित्या बंजारे 98.6, तृतीय निकिता साहू 98.3, चतुर्थ विवेक 97, पंचम धानी साहू, राघव यदु 96.6, कक्षा उदय में सेजल एवं विद्या 100 प्रतिशत, भाविका, जागृति 97, लिसा देवांगन 96, मेघा, जानवी, नीलिमा, देव्यांश, फ्रवंस, कुशाल 95, पूरब 92 प्रतिशत, कक्षा प्रथम में लावण्या 97, साक्षी 94.5, भाव्या, थानेंद्र 93, नमन 92.5, वंशिका 91.5 प्रतिशत। कक्षा द्वितीय में पुष्कर 99.5, समीक्षा तानिया 95, सौम्या 94.5, काव्या 92, वंशिका 89.5, कक्षा तृतीय में रितिका 97.5, तृप्ति 96.5, सिद्धि 91.5, मुनेश 90, नीलेश 89 प्रतिशत। कक्षा चतुर्थ में टेकेश्वर 89.5, अर्णव 89, अर्चना 75.5, उमंग 73.5, पारस, पुनीत 71, कक्षा षष्ठ में आयुष ढीवर 86.5, रुद्र साहू 81, वीना साहू 79.66, महक चंद्राकर 74.6, अविनाश 74.3, कक्षा सप्तम में मोनिका 66, हुलेश साहू 64.6, दीक्षा 63.3, वैभव 62.6, हर्षवर्धन 57.6, कक्षा नवम में नारायणी साहू 88.2, चंचल साहू 75.5, हर्षिता साहू 66.4, पीयूष साहू 61.1, धैर्य बंजारे 49.7, कक्षा एकादश में लोमस सोनवानी 58.6, शुभ्रा सोनवानी 54.3, आर्यन चंद्राकर 52.7, पुष्पेन्द्र चंद्राकर 52, लोमिता वर्मा 43.7 ने विद्यालय स्तर पर कक्षा में टॉप फाइव प्रतिभा अंकित करने सफल रहे।

रिसाली में नया बैडमिंटन कोर्ट, सांसद प्रतिनिधि ने किया लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

रिसाली निगम के वार्ड 25 आशीष नगर पश्चिम में बैडमिंटन कोर्ट तैयार किया गया है। दया नगर राम टावर के पास सर्वसुविधायुक्त बैडमिंटन कोर्ट बनाया गया है। सांसद प्रतिनिधि पप्पू चंद्राकर और वार्ड पार्षद मनीष यादव ने इसका लोकार्पण किया। आयोजन में मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र शेंडे, अनुपम साहू, राजू राकेश जंघेल, बलविंदर सिंह पेशी, जसमीत पेशी, ललिता मिश्रा उपस्थित थे। मनीष यादव की पार्षद निधि से यह कार्य कराया गया है। चंद्राकर ने कहा कि रिसाली के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मनीष यादव बंटी ने बताया कि मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराना मेरी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने वार्ड में हर संभव विकास कार्य कराए जाने की बात कही।

नितिन को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

उतई। खेल एवं युवा कल्याण विभाग छग और नेहरू युवा केन्द्र संगठन रायपुर छग के संयुक्त तत्वावधान में अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य पर राजधानी रायपुर के तेलीबांधा तालाब से अम्बेडकर चौक तक जय भीम पदयात्रा निकाली गई। पद यात्रा में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक अनुज शर्मा, गुरु खुशवंत सिंह, मोतीलाल साहू, पुरन्दर मिश्रा, युवा आयोग अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, खेल एवं युवा कल्याण विभाग सचिव आईएएस हिमशिखर गुप्ता, सहित अन्य आईएएस, आईपीएस अधिकारियों ने युवाओं के साथ पदयात्रा में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर राज्य में युवाओं के लिए बेहतर कार्य कर रहे युवाओं एवं अधिकारियों को सम्मानित किया गया जिसमें नेहरू युवा केन्द्र दुर्ग जिला युवा अधिकारी नितिन कुमार शर्मा को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि भारत का संविधान हर नागरिक के लिए पवित्र ग्रंथ है जो सभी को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार देता है। प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा साहब से जुड़े पांच प्रमुख स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है जिससे नई पीढ़ी उनके विचारों से प्रेरणा लें।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग, (छ.ग.)

उद्घोषणा

ई० कोर्ट क्रमांक/202504103000035 /अ-6/वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक क्रेता :- राजेन्द्र सिंह यादव पिता स्व. अमर सिंह यादव जाति यादव पता- 76, वार्ड नं.- 16, सिकोला बस्ती तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा ग्राम पाउवारा प.ह.न.-55 स्थित भूमि खसरा नंबर 366/2 रकबा 0.6300 हे. मे से 1508 वर्गफीट भूमि को विक्रेतागणः- 1. धानेश्वर कुमार देशमुख पिता श्री रमेश देशमुख 2. भोपेंद्र कुमार देशमुख पिता श्री रमेश देशमुख पता- सिविक सेंटर भिलाई तह. व जिला दुर्ग से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 27/03/2025 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को क्रेता के नाम पर प्रामाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 30/04/25 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं । समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 17/04/25 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग, (छ.ग.)

उद्घोषणा

ई० कोर्ट क्रमांक/202504103000036 /अ-6/वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक क्रेता :- रशपाल सिंह पिता स्व. दलजीत सिंह कोन्डल जाति- कोन्डल पता- 315, वार्ड नं. 24, गुरूनानक नगर, आमदी मंदिर दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा ग्राम पाउवारा प.ह.न.-55 स्थित भूमि खसरा नंबर 366/2 रकबा 0.6300 हे. मे से 1568 वर्गफीट भूमि को विक्रेतागणः- 1. धानेश्वर कुमार देशमुख पिता श्री रमेश देशमुख 2. भोपेंद्र कुमार देशमुख पिता श्री रमेश देशमुख पता- सिविक सेंटर भिलाई तह. व जिला दुर्ग से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 27/03/2025 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को क्रेता के नाम पर प्रामाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 30/04/25 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं । समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 17/04/25 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

सेलूद में पंचायत दिवस मनाया

पंचायतें भारतीय लोकतंत्र की हैं आधार स्तंभः मारकंडे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेलूद

ग्राम पंचायत सेलूद में गुरुवार को पंचायत दिवस मनाया गया। डॉ. भीमराव अंबेडकर व राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के तैल्यचित्र की पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम पंचायत सेलूद के सभा हाल में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्राम पंचायत सेलूद के युवा सरपंच खिलेश बबलू मारकंडे ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की सोंच थी कि देश के विकास के लिए सर्वप्रथम गांवों का विकास करना बहुत महत्वपूर्ण है। उसी सोंच को साकार करने के लिए उन्होंने 24 अप्रैल 2010 में पहला पंचायत दिवस मनाया गया और पंचायतें को भारतीय लोकतंत्र का आधारस्तंभ मानते हुए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में पंचायतों को अधिक सशक्त करने का संकल्प लिया और उसके लिए कार्य भी किया। भारत का संविधान पंचायतों को 'स्वशासन के संस्थानों' के रूप में मान्यता देता है। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस भारत में पंचायती राज प्रणाली का राष्ट्रीय दिवस है। पंचायती राज दिवस का ये दिन ग्रामीण भारत के नवनिर्माण के संकल्पों को दोहराने का एक महत्वपूर्ण अवसर होता है। ये दिन ग्राम पंचायतों के योगदान और उनके असाधारण कामों को देखने, समझने और उनकी सराहना करने का दिन होता है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सेलूद सरपंच खिलेश मारकंडे, उपसरपंच राकेश साहू, सचिव हुपेंद्र साहू, पंच धनंजय साहू, योगेश, रवि पटेल, देवला साहू, भुनेश्वरी साहू, सुनीता ठाकुर, इंद्राणी वर्मा, उषा यादव, हेमीन बाई, नेहरू, मुन्ना साहू, रुखमन , खोइलिन बारले, रेणुका कुर्रे, विकास बारले आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

- ग्रामीण भारत के नव निर्माण के लिए मनाया जाता है पंचायत दिवस

नकली पिस्टल दिखाकर बोरेंदा में बुजुर्ग से झपटमारी, सीसीटीवी कैमरे से तीन की पहचान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

रायपुर के 3 लड़कों ने जेवरात उतरवाए, जेल भेजे गए आरोपी

नकली पिस्टर दिखाकर बुजुर्ग महिला को झपटमारी करने वाले तीन युवकों को पुलिस ने पकड़ा। आरोपियों की पहचान सीसीटीवी कैमरे की मदद से संभव हो पाई। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि घटना रानीतरई थाना क्षेत्र की है। 17 अप्रैल की दोपहर 12 बजे बोरेंदा गांव में बुजुर्ग महिला को स्कूटी सवार तीन लोगों ने रोक लिया। नकली पिस्टल दिखाकर डराना शुरू कर दिया। उन्होंने महिला के कान से

पहने हुए टॉप्स, गले में पहनी चांदी की माला और नाक की सोने की फुल्ली लूटकर ग्राम जरवाय की तरफ भाग गए। जेवरात की कीम 16500 रुपए आकी गई है। मामले में जानकारी के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। आरोपियों को घेराबंदी कर हिरासत में लिया। कड़ाई से पूछताछ की तो उन्होंने महिला से सोने चांदी के गहनों को छीनना कबूल किया। आरोपियों में खोखो पारा पुरानी बस्ती रायपुर का इमरान खान (32 वर्ष), गोपाल सतनामी (28 वर्ष) और बंधवा पारा रायपुर का विक्की टांडी (23वर्ष) शामिल है। मामले में पुलिस की विवेचना जारी है।

नाश्ता ठेला लगाने वाले से मारपीट करने वाला आरक्षक सस्पेंड

भिलाई। सुपेला में नाश्ता की दुकान लगाने वाले लक्ष्मीनगर निवासी चंद्रभूषण साव से मारपीट करने वाले आरक्षक कुंदन सिंह को एसपी विजय अग्रवाल ने निलंबित कर दिया है। मामले में शिकायत के बाद एसपी ने जांच कराई। जांच में प्रथम दृष्टया लापरवाही सामने आने के बाद कुंदन सिंह को निलंबित किया गया है। जानकारी के अनुसार सुपेला क्षेत्र में संचालित एक नाश्ता सेंटर में मामूली विवाद को लेकर आरक्षक कुंदन सिंह ने आपा खो दिया था। इसके बाद दुकान तोड़फोड़ कर दी। चंद्रभूषण साव के साथ मारपीट भी की। इस मामले में सुपेला थाने में काउंटर केस बनाया गया है। चंद्रभूषण ने सुपेला थाने में दर्ज अपनी शिकायत में कहा कि वह रोज की तरह 21 अप्रैल 2025 की सुबह 4 बजे चाय पोहा का ठेला घड़ी चौक में लगाकर रखा था। इस दौरान वहां सिपाही कुंदन सिंह और राजेश यादव आए। उन्होंने कहा कि यहां भीड़ क्यों लगाकर रखा है, ठेला हटा। चंद्रभूषण ने कहा कि ग्राहक है थोड़ी देर में हटा लेगा। इस पर कुंदन सिंह भड़क गया। गाली गलौज करने लगा। चंद्रभूषण ने जब विरोध किया, तो मारपीट और तोड़फोड़ शुरू कर दी गई। इधर सुपेला पुलिस ने कुंदन सिंह की शिकायत पर भी कार्रवाई की गई। मामले में पुलिस की जांच जारी है। कुंदन सिंह फिलहाल भिलाई-तीन थाने में पदस्थ बताया गया है।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय हुसैनी सेना ने फूंका आतंकवाद का पुतला

भिलाई। दुर्ग जिला हुसैनी सेना द्वारा पहलगाम में हुए 26 निर्दोष लोगों की हत्या के विरोध स्वरूप गुरुवार को राष्ट्रीय हुसैनी सेना व भिलाई मुस्लिम समाज के द्वारा सुपेला घड़ी चौक पर आतंकवादियों का पुतला दहन किया गया। पहलगाम कांड में शहीद हुए मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। इस विरोध प्रदर्शन में भिलाई के सुपेला घड़ी चौक में सैकड़ों की संख्या में हुसैनी सेना वा मुस्लिम समाज के लोग शामिल हुए।समाज के लोगो ने विरोध में पाकिस्तान मुर्दाबाद,आतंकवाद मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए। इसके बाद सभी ने पाकिस्तानी आतंकवादियों का पुतला दहन किया। अध्यक्ष सोहेल राईन ने बताया कि देश को झकझोर देने वाली पहलगाम हत्याकांड जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है। अति निंदनीय घटना है। इसके विरोध स्वरूप आज आतंकवाद का पुतला जलाया गया व मृतकों को श्रद्धांजलि देते हुए सुपेला घड़ी चौक पर मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भारत सरकार से मांग की गई कि ऐसे आतंकी जो देश के लिए नासूर है इन्हें खोज- के निकाल कर इन्हें श्रीनगर के लाल चौक पर गोली मार दी जाए यह मांग मुस्लिम समाज करता है। इस अवसर पर गोल्डी भाई, गुफरान, सुहैल अहमद, परवेज सलमानी, रमजान, जिम्मी, इरफान, इमरान, अज्जू अहमद चौहान, जानी भाई, मोहम्मद गोस, हैदर, यासीन भाई, लल्लू भाई, लुकमान, अरमान राजा, मोहम्मद अफजल, जामुल से जावेद अली,जिब्रान अहमद,शकलेन्न अहमद,अरमान अली,फरदीन खान,समीर अली, रमजानी खान, इजमामुल हक उपस्थित रहे।

एनडीआरएफ ने बताए आपदा से निपटने के उपाय

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी के सभागार में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) द्वारा सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम (फेमेक्स) का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एमएएच कारखानों-ऑक्सीजन प्लांट-2, प्रोपेन प्लांट-1 एवं 2 तथा लिंडे इंडिया लि.के लिए आयोजित किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में विभिन्न आपदाओं से निपटने के लिए आवश्यक उपायों की जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रम की अध्यक्ष सीजीएम बीके बेहेरा और संचालन जीएम आरके अहिरवार ने किया।

प्रौढ़, महिला और अस्वस्थ कर्मचारियों को हो रही असुविधा

कभी कर्मियों को लाने व ले जाने के लिए दौड़ती थीं बीएसपी बसें, आज अपने वाहनों से जाने विवश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

इ्यूटी जाने के लिए दौड़ती थीं पचास बसें, तीस साल बाद सिटी बस को भी तरसे

टाउनशिप में कुछ साल पूर्व एक समय ऐसा था, जब भिलाई इस्पात संयंत्र में ड्यूटी जाने वाले हजारों कर्मचारियों के लिए राज्य परिवहन सेवा की तरह बीएसपी प्रबंधन द्वारा बस सेवा संचालित की जाती थी। सबसे अहम बात तो यह है कि उनके आने जाने का टिकट तक नहीं लगता था। वर्षों बाद आज जरुरतमंद कर्मचारी एक अदद सिटी बस के लिए तरस रहे हैं। मुख्य मार्गों पर बस स्टांप और गैराज बैरौनक पड़े हैं। हालांकि कर्मचारियों ने बस सेवा को लेकर कई बार मांग की है। उसके बाद भी बीएसपी प्रबंधन ने आज तक बस सेवा शुरू नहीं की है।

गौरतलब है कि बीएसपी के निर्माण के साथ ही हजारों कर्मचारियों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और मनोरंजन की तरह प्लांट जाने आने के लिए बस सेवा शुरु की गई थी। यह सेवा बीएसपी में वर्ष 1959 में उत्पादन शुरु होने के कुछ वर्षों बाद चालू हो गई थी। रिटायर कर्मियों के मुताबिक सत्तर के दशक तक हरे रंग की 52 सीटर पचास बसें कर्मियों और अधिकारियों के ड्यूटी आवाजाही के लिए चल रही थी। 1980 तक बसों को संख्या कुछ कम हुई थी। इस समय तक बीएसपी में साठ हजार से अधिक कर्मचारी अधिकारी काम करते थे। जनरल शिफ्ट सहित तीनों शिफ्टों में कर्मचारी प्लांट और दफ्तर आने जाने के लिए

खंडहर हुए बस स्टाप व वीरान पड़े गैराज

कर्मचारियों के बीएसपी बसों से आने जाने के लिए टाउनशिप के प्रमुख मार्गों पर शेड वाले पक्के बस स्थानकों का निर्माण कराया गया था। ऐसे सभी बस स्टाफ जर्जर हो चले हैं। कुछ में भिखारियों, आवारा मवेशियों तो कुछ में अराजक तत्वों का डेरा लगा रहता है। कई बस स्थानकों की दीवारों पर विभिन्न संगठनों और फिल्मों के पोस्टर लगे रहते हैं। बस स्टांप के अलावा सेक्टर 7 स्थित बस डिपो गैराज भी आज वीरान पड़ा है। यहां बीएसपी की ट्रक आदि खड़ी होते हैं।

इन बसों को उपयोग करते थे। टाउनशिप के बीचों बीच स्थित सेंट्रल एवेन्यू मार्ग के अलावा बोरिया मेन गेट रोड, रेलवे एवेन्यू रोड, डीबीएस रिसाली रोड, सेक्टर एक रोड आदि प्रमुख सड़कों के किनारे बीच बीच में बस स्टांप बनाए गए थे, जहां कर्मचारी अपने निकटस्थ निवास से आकर बसों में चढ़ते उतरते थे। लेकिन 1992 में बीएसपी द्वारा इस बस सुविधा को बंद कर दिया गया। इस दौरान जिन कर्मियों के पास अपने दो पहिया वाहन थे, उन्हें कोई असुविधा नहीं हुई, लेकिन वाहन विहीन कर्मियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वर्षों बाद आज भी प्लांट आने-जाने कोई पब्लिक ट्रांसपोर्ट सुविधा नहीं होने से प्रोढ़, अस्वस्थ और महिला कर्मचारियों को परेशानी हो रही है। इन्हें जगह जगह रुकने वाले आटो, दूसरे के वाहन या फिर पैदल ही ड्यूटी जाने मजबूर होना पड़ रहा है। एटक यूनियन के महासचिव विनोद कुमार सोनी बताते हैं कि आज अधिकतर कर्मियों के पास निजी वाहन जरुर है। लेकिन अनेक कर्मचारी कर्मी वाहन विहीन हैं या स्वास्थ्यगत या एहतियातन गाड़ी नहीं चलाते हैं।

सिटी बस सेवा भी हुई बंद

90 के दशक में बीएसपी बस सेवा बंद होने के बाद 93 में पहली बार सिटी बस आम लोगों के लिए शुरु हुई थी। लेकिन दो साल बाद बंद हो गई। फिर वर्ष 2017 में यहां दोबारा सिटी बसें शुरु होने से कर्मियों को सुविधा हुई। चार साल बाद फिर सिटी बसों को बंद कर दिए जाने से सैकड़ों जरुरतमंद कर्मियों की परेशानी बढ़ गई। यूनियनों के मुताबिक बस सुविधा नहीं होने से कई महिला व प्रौढ़ कर्मचारियों को ड्यूटी जाने आने में कई तरह की दिक्कतें हो रही हैं।

उद्यानिकी विभाग ने मनाया पृथ्वी दिवस

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के उद्यानिकी विभाग द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन नगर सेवाएं विभाग के भवन में किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक उत्पल दत्ता थे। उन्होंने पृथ्वी की हरियाली और जीव जंतुओं के संरक्षण का आह्नान किया। महाप्रबंधक डां. एनके जैन ने कहा कि पृथ्वी दिवस मनाने का उद्देश्य जल, थल, वायु, पेड़ और जीव जंतु का संरक्षण करना है । इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने परिसर में बकुल और एक्सओरा आदि पौधे रोपे। इस अवसर पर महाप्रबंधक विष्णु पाठक, राजेश साहू, महिंद्र साहू, मृदुल गुप्ता मैनेजर राजेश शर्मा, शंकर अग्रवाल, ललित यादव, अशोक सिंह और उप महाप्रबंधक आरके गर्ग आदि उपस्थित थे।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई

9300663610, 7489348301

आवश्यकता है

रात्रिकालिन अखबार की गिनती पैकिंग एवं बंडल लोडिंग के लिये युवकों की आवश्यकता है।

आधार कार्ड, बैंक पासबुक होना अनिवार्य है।

12वीं से स्नातक तक

उम्र 21 से 30 वर्ष तक

हरिभूमि कार्यालय, धमतरी रोड, रायपुर

संपर्क - 9827555678

कांग्रेस की संविधान बचाओ यात्रा अचानक स्थगित, नई तारीख जल्द

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

■ विधायक देवेंद्र के नेतृत्व में आज निकलेगा कैंडल मार्च

कांग्रेस की प्रदेश स्तरीय संविधान बचाओ यात्रा जो 25 अप्रैल से शुरू होनी थी, उसे अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है। बता दें कि यात्रा भिलाई के कोसानगर स्थित बुद्ध भूमि से शुरू होनी थी। इसे लेकर गुरुवार को प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पत्रकारवार्त लेकर इस बारे में जानकारी भी दी। उन्होंने बताया था कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारतीय संविधान की रक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाना है। यात्रा की शुरुआत बुद्ध भूमि परिसर से शाम को शुरू होनी थी। इसमें करीब 20 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने वाले थे। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने बताया कि पहलगाम में हुई घटना के कारण पार्टी हाईकमान ने इस आयोजन को स्थगित करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद पीसीसी ने इसे लेकर आदेश जारी कर दिया है। नई तारीख का एलान आगामी दिनों में किया जाएगा। पत्रकार वार्ता में भूपेश बघेल ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि इस हमले में 28 निर्दोष पर्यटकों की जान गई है, जिससे पूरा देश शोक में डूबा हुआ है। उन्होंने कहा कि यह बेहद दर्दनाक और निंदनीय घटना है। कांग्रेस पार्टी ने इस घटना की कड़ी निंदा की है और मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया। कांग्रेस की ओर से सभी पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की गई है। उन्होंने घटना की तुलना झीरम घाटी नक्सली हमले से की। उन्होंने कहा कि झीरम घाटी में भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को निशाना बनाकर 28 लोगों की हत्या की गई थी। पहलगाम में भी ठीक वैसा ही आंकड़ा सामने आया है। इस अवसर पर पूर्व विधायक अरुण वोरा, मेयर नीरज पाल, धर्मेंद्र यादव, जितेंद्र साहू, बृजमोहन सिंह सहित अन्य मौजूद थे। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव की अगुवाई में 25 अप्रैल को शाम 7 बजे सिविक सेंटर में कैंडल मार्च निकाला जाएगा। कार्यक्रम में महापौर नीरज पाल, अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर मौजूद रहेंगे।

बीएसपी के 13 जीएम बने सीजीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

■ डीआईसी ने सौंपे पदोन्नति आदेश

लंबे समय से बड़े साहब बनने की बाट जोह रहे भिलाई इस्पात संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए खुशखबरी है। सेल द्वारा यहां के तेरह महाप्रबंधकों को मुख्य महाप्रबंधक पदोन्नत किया गया है। नवपदोन्नत अधिकारियों को उनके पदोन्नति आदेश गुरुवार को इस्पात भवन में आयोजित समारोह में निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता द्वारा प्रदान किए और बधाई दी। प्रमोशन बाद 7 जीएम को अन्य संयंत्रों में स्थानांतरित किया गया है। बीएसपी में पदोन्नत किए गए मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) इस प्रकार हैं- हरीश कुमार सचदेव जीएम (शॉप्स) को सीजीएम (शॉप्स) पदोन्नत किया गया है। सजीव वर्गीज जीएम (एसपी-3) से सीजीएम (एसपी-3), जितेन्द्र पाल सिंह जीएम (जल प्रबंधन), जिन्हें सीजीएम (यूटिलिटीज), अनुपम बिष्ट, जीएम (माइन्स), से सीजीएम जीएम (माइन्स-रावघाट), राजीव महेन्द्रु, जीएम (वित्त एवं लेखा) से सीजीएम (वित्त एवं लेखा), त्रिभुवन बैथा, जीएम (एसएमएस-3), से सीजीएम (एसएमएस-3), तथा डॉ. उदय कुमार धाबर्डे, एसीएमओ (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) पदोन्नत किए गए हैं।

सात पदोन्नत जीएम का तबादला

बीएसपी के सात महाप्रबंधकों को पदोन्नत कर अन्य इकाइयों में स्थानांतरित किया गया है। इनमें सुनील कुमार बंसल, जीएम (परियोजनाएं), को सीजीएम (परियोजनाएं आईएसपी, बर्नपुर) बनाया गया है। पीएमशिरपूरकर, जीएम (माइन्स–राजहरा), से सीजीएम (माइन्स केआईओएम, बीएसएल, किरीबुरू), राजीव श्रीवास्तव, जीएम (एसएमएस-2), से सीजीएम (एसएमएस-2 एवं सीसीएस बीएसएल, बोकारो), अभय कुमार, जीएम (पीएंडबीएस), से सीजीएम (यूटिलिटीज – आईएसपी, बर्नपुर), रंजन आनंद, जीएम (ब्लास्ट फर्नेस), से सीजीएम (परियोजनाएं एसआरयू, बोकारो), तथा सुदीप्तो चट्टोपाध्याय, जीएम (आरएंडएस मिल), जिन्हें सीजीएम (राउरकेला उप-केंद्र आरडीसीआईएस) बनाया गया है।

विशेष चेकिंग अभियान के दौरान लापरवाह वाहन चालकों पर हुई कार्रवाई

शराब पीकर वाहन चलाने वालों की अब खैर नहीं, अर्थदंड लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

नवागत पुलिस कप्तान की आमद होते ही शहर में लापरवाह और नशे में धुत होकर वाहन चलाने वालों पर पुलिस का शिकंजा कसने लगा है। यातायात पुलिस ने शाम छह बजे से देर रात तक विशेष चेकिंग मुहिम चलाकर लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने वालों चालकों, दोपहिया वाहनों में तीन सवारी और नो पार्किंग में खड़े वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई की है। वहीं शराब के नशे में वाहन चलाने वालों के वाहन जब्त कर कोर्ट में पेश किए गए। प्रत्येक से दस हजार रुपए अर्थदंड वसूला गया। सड़क किनारे खड़े कंडम वाहन मालिकों को भी नोटिस जारी किए गए। पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने मंगलवार को जिले के सभी अधिकारियों की बैठक लेकर यातायात पुलिस को जिले की यातायात व्यवस्था और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक निर्देश दिए थे। इसके तहत बुधवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) ऋचा मिश्रा द्वारा यातायात के जोन प्रभारी, पेट्रोलिंग की मीटिंग लेकर नेशनल हाइवे एवं जिले के अन्य प्रमुख मार्ग में खराब वाहनों को हटाने, नो- पार्किंग में खड़े वाहनों पर कार्रवाई करने कहा गया था। यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा अभियान चलाकर ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले कई वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। झरोखा पैलेस से पहले जुनवानी सूर्या मॉल रोड पर नो- पार्किंग में खड़े 36 दो पहिया वाहनों को क्रेन से उठाकर स्मृति नगर चौकी में पहुंचाया गया। वाहन मालिकों पर मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं के तहत कार्रवाई कर भविष्य में ऐसी गलती न करने के लिए समझाइश भी दी गई। वहीं जिले के अन्य 21 पॉइंट पर शाम छह बजे से देर रात तक शराब पीकर लापरवाही से वाहन चलाने वाले, दो पहिया वाहन में तीन सवारी, ब्लैक फिल्म वाहनों पर मोटर व्हीकल एक्ट धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए 223 वाहन चालकों से समंस शुल्क वसूल किया गया।

नशे में धुत युवक को उठाया

बीती रात 11 बजे घड़ी चौक के करीब नशे में धुत सड़क पर गिरे वाहन चालक युवक को पुलिस ने प्रेम से समझाइश देकर घर भेजा। अपनी मोटर साइकल से सड़क पर गिरे युवक को एक कार चालक ने हाथ उठाकर दुर्घटना ग्रस्त समझ सामने से आ रहे अन्य दोपहिया चालकों से मदद की गुहार की। फिर पुलिस के जीन जवानों के चेहरे पर पानी छिड़कने पर पता चला कि युवक अत्यधिक नशे में है, घायल नहीं। दस मिनट बाद उसे अपनी मोटर सायकल में बैठकर सीधे घर जाने की समझाइश दी गई। वह बड़बड़ाते हुए निकल लिया।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर पुलिस ने की कार्रवाई

शराब पीकर वाहन चलाने वालों के वाहन भी जप्त कर न्यायालय में पेश किया गए। अदालत द्वारा प्रत्येक वाहन चालकों पर दस हजार रुपए से दंडित किया गया।एसएसपी के निर्देश पर यातायात जोन प्रभारी दुर्ग द्वारा दुर्ग शहर के प्रमुख मार्गों में सड़क किनारे गैरेज संचालन करन वालों को एवं सड़क में कंडम वाहन खड़े वाहन मालिकों को नोटिस जारी किया गया । पुलिस द्वारा जल्द सड़क से हटाने तथा दोबारा सड़क में वाहन खड़ा ना करने के लिए हिदायत दी गई। गैर संचालकों को सड़क में वाहन खड़ा कर मरम्मत कार्य न करने के लिए भी समझाइश दी गई।

हरिभूमि

रायपुर, शुक्रवार 25 अप्रैल 2025

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

04

क्रोशिया का फैशन

लाइव इवेंट

पहलगाम में मारे गए सैलानियों को हजारों छात्रों ने दी श्रद्धांजलि

भिलाई । जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर जहां देशभर में गुस्सा है, वहीं मारे गए लोगों के प्रति आमजन खास संवेदना भी जाहिर कर रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को भिलाई के रूंगटा आर-1 इंजीनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने इनको श्रद्धांजलि दी। रूंगटा ग्रुप के विद्यार्थी फ्रंट लॉबी में एकत्र हुए और हाथों में मोमबत्ती लेकर मारे गए लोगों के लिए मौन रखा। विद्यार्थियों ने घटना के लिए जिम्मेदार पाकिस्तान से बदला लेने की भी मांग की। छात्रों ने मोमबत्तियां जलाकर इस हमले में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति की दुआ की। हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए ग्रुप के चेयरमैन संतोष रूंगटा ने कहा कि, केंद्र सरकार को पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को इस घटना के लिए बड़ा सबक सिखाना चाहिए। जिस तरह एक बार हमने सर्जिकल स्ट्राइक के जरिए पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब दिया था, ठीक वैसा ही एक्शन इस बार भी जरूरी है। ग्रुप के डायरेक्टर जनरल डॉ. मनीष मनोरिया ने कहा कि जैसे ही उन्होंने इस हमले की तस्वीर देखी उनकी रूह कांप उठी। इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि कॉलेज के हजारों विद्यार्थियों ने इस हमले में मारे गए 26 लोगों की आत्मा की शांति के लिए दुआ की है। इस अवसर पर ग्रुप डायरेक्टर डॉ. एजाजुद्दीन, महेंद्र श्रीवास्तव, डॉ. मनोज वर्गीस, प्राचार्य डॉ. नीमा एस बालन, डॉ. मुकेश शर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

सिटी इवेंट

साइंस कॉलेज कैम्पस में पक्षियों के दाना-पानी के लिए रखा गया सकोरा

दुर्ग। पक्षी बचाओ अभियान वर्तमान समय की प्रमुख आवश्यकता है। हमारे अंचल में पड़ रही भीषण गर्मी से तापक्रम 43 डिग्री सेल्सियस से अधिक चला गया है। इस वजह से सबसे ज्यादा हमारे आसपास रह रहे पछियों को दाना एवं पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। उक्त बातें साइंस कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अजय सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि इसी बात को ध्यान में रखते हुए साइंस कॉलेज ने यह निर्णय लिया गया कि महाविद्यालय के विभिन्न स्थानों जैसे- स्वामी विवेकानंद उद्यान, क्रीडा परिसर तथा औषधीय पादप उद्यान आदि विभिन्न स्थानों पर पक्षियों हेतु सकोरों में दाना एवं पानी की पर्याप्त व्यवस्था की जाये। इसकी शुरूआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने प्राध्यापकों के साथ विवेकानंद उद्यान पहुंचकर की। डॉ. सिंह ने उपस्थित सभी प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं से आव्हान किया कि वे अपने-अपने घरों में भी पक्षियों हेतु दाना एवं पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। इस अवसर पर उपस्थित महाविद्यालय के मुख्य लिपिक संजय यादव ने बताया कि महाविद्यालय प्रशासन द्वारा सामाजिक सरोकार योजना के अंतर्गत महाविद्यालय के विभिन्न स्थानों पर लगभग 100 से अधिक सकोरो की व्यवस्था कर पक्षियों को दाना पानी उपलब्ध कराया जाएगा। इस अभियान की शुरूआत में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. जखजीत कौर सलूजा, डॉ. अभिनेष सुराना, प्रोफेसर उपमा श्रीवास्तव, डॉ. एसडी देशमुख, डॉ. अनीता शुक्ला, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, डॉ. प्रदीप जांगड़े, डॉ. अनुराग, डॉ. प्रशांत दुबे, क्रीडा अधिकारी लक्ष्मेन्द्र कुलदीप तथा टीकम यादव, ताराचंद साहू, मोहित देशमुख, पुरुषोत्तम देवांगन, रोहित राजपूत, ओंकार साहू वेद साहू सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

> ■ प्राचार्य ने कहा- पक्षी बचाओं अभियान वर्तमान समय की आवश्यकता

विकसित भारत 2047 पर निबंध लेखन और समूह चर्चा, एनसीसी कैडेट्स हुए शामिल

भिलाई। सेंट थॉमस कॉलेज की एनसीसी इकाई द्वारा विकसित भारत 2047 के अवसर पर निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं समूह चर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कैडेट्स को उनके कर्तव्यों और राष्ट्र के भविष्य निर्माण में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक करना था। कैडेट्स ने दोनों गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने विचारों, आकांक्षाओं एवं 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की प्रतिबद्धता को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रशासक फादर डॉ. पीएस वर्गीस ने कैडेट्स के प्रयासों की सराहना की। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एमजी रोईमोन ने भी सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।

● विश्व पृथ्वी दिवस पर गर्ल्स कॉलेज में अलग-अलग कार्यक्रम, प्रतियोगिताओं के विजेता सम्मानित

धरती को सहेजना हर मनुष्य की नैतिक जिम्मेदारी, स्लोगन, पोस्टर प्रतियोगिता और रैली निकालकर लोगों को किया जागरूक

22 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व पृथ्वी संरक्षण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में चरणबद्ध आयोजन हुए। आयोजन वनस्पतिशास्त्र, भूगोल विभाग एवं प्राणीशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। इस दौरान पहले दिन जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें धरती की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी गई। लोगों से अपील की गई कि हर मनुष्य की जिम्मेदारी है कि वह धरती को सहेजे, इसलिए हर संभव प्रयास करे। इसके बाद कॉलेज की छात्राओं के लिए स्लोगन और पोस्टर प्रतियोगिताएं हुईं, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, वाटर हार्वेस्टिंग और पृथ्वी को सहेजने और अनदेखी से होने वाले नुकसान को उकेरा गया।

भिलाई। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने विश्व पृथ्वी दिवस की उपयोगिता और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। आयोजित विविध प्रतियोगिताओं के साथ अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यार्थियों द्वारा रैली निकाली गई, जिसमें पर्यावरण तथा पृथ्वी संरक्षण पर नारे लगाये गए। इसके बाद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें श्लोगन प्रतियोगिता में 22, पोस्टर प्रतियोगिता में 12 तथा भाषण प्रतियोगिता में 11 छात्राओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर डॉ. मधुलिका रॉय ने अपने विचार रखे। उन्होंने हमारी शक्ति हमारी पृथ्वी है विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के संतुलन को बनाये रखना हम सभी का दायित्व है। साथ ही पर्यावरण का संरक्षण एवं समाधान पर व्यावहारिक सुझाव प्रस्तुत किए। इस अवसर पर डॉ. एम लक्ष्मी प्रसूना, डॉ. सुषमा यादव, डॉ. लता मेश्राम, डॉ. चांदनी अफसाना, दीक्षा जोशी, कविता वैष्णव, प्रीति चन्द्राकर, नितिन देवांगन उपस्थित थे।

आयोजित प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी हुए सम्मानित

आयोजित प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार विधि खरे, द्वितीय स्थान पर लिलेश्वरी साहू एवं जैनब निजामी तथा फरहाना परवीन तृतीय स्थान पर रहीं। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम रोशनी गेन्द्रे, द्वितीय स्थान पर वंदन कुंजाम एवं आरती निर्मलकर तथा येश्वर्या तृतीय स्थान पर रहीं। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम लिलेश्वरी साहू द्वितीय स्थान पर आर्या अवस्थी एवं कुसुम देशमुख तथा अंकिता पॉल तृतीय स्थान प्राप्त किया।

ऐसे हुई विश्व में पृथ्वी दिवस की शुरुआत

कॉलेज में बताया गया कि विश्व पृथ्वी दिवस हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाता है। 2025 में विश्व पृथ्वी दिवस समारोह की 55वीं वर्षगांठ थी। पहला पृथ्वी दिवस वर्ष 1970 में सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन और डेनिस हेस द्वारा आयोजित किया गया था। गेलॉर्ड नेल्सन एक अमेरिकी सीनेटर थे जिन्हें पृथ्वी दिवस के जनक के रूप में जाना जाता है। विश्व पृथ्वी दिवस 2025 का मुख्य उद्देश्य यह अहसास कराना है कि हमारी हर अचेतन क्रिया, चाहे हम उसे कितना भी महत्वहीन क्यों न समझें, पर्यावरण और ग्रह पृथ्वी पर सीधा प्रभाव डालती है। हम सभी को अपने कार्यों के लिए सामूहिक रूप से जिम्मेदार होना चाहिए, और पृथ्वी के लाभ के लिए जानबूझकर सकारात्मक पहल करनी चाहिए। विश्व में 190 देशों में इस दिवस पर अवेयरनेस अभियान चलाया गया।

चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुईं, जोश और जुनून के साथ ज्यादा काम करने की जरुरतः अग्रवाल

भिलाई। द एसोसिएशन ऑफ डब्लूई क्लब्स ऑफ इंडिया अपराजिता का डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस स्पंदन का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राजकुमार अग्रवाल थे। विशेष रूप से रंजना क्षेत्रपाल, मनोज गुप्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिता फरमानिया ने की। ध्वज वंदना एरिया ऑफिसर ऊषा जैन ने किया। अतिथियों के स्वागत में सुंदर स्वागत गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति से की गई। सचिवीय प्रतिवेदन माधुरी पंडा और अल्का फरमानिया ने पढ़ा। कोषाध्यक्ष की रिपोर्टअमरजीत कथूर कोषाध्यक्ष ने प्रस्तुत की। लता आर्या ने अगले सत्र के लिए डिस्ट्रिक्ट प्रेसीडेंट पद हेतु मनीषा सोनी और वाइस डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट पद के लिए ज्योति प्रधान के प्रस्ताव को सही बताया। दोनों उम्मीदवारों ने कहा कि यदि उन्हें ये जवाबदारी मिलती है तो वो अपने अपने दायित्व का निष्ठा पूर्वक निर्वहन करेंगी। अनिता अग्रवाल ने कहा

कि हमारी चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई है। हमें निरन्तर पूरे जोश और जुनून के साथ कार्य करते रहना है। यदि हमारी आंखों में सपने और हमारे पास उमंगों से भरा मन है, यदि हमारे कदमों में दृढ़ता है तो हमे आसमान को छू लेने से कोई नहीं रोक सकता। कार्यक्रम में मनीषा सोनी, अनिता अग्रवाल, रीता गुप्ता, अंशु गोयल भी उपस्थित थीं। राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि एक महिला सब कुछ कर सकती है। यदि आप सब समता, क्षमता और नम्रता का सूत्र अपनाकर कार्य करें तो जीवन में हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा सकते हैं। रंजना क्षेत्रपाल ने कहा कि सेवा के पथ पर महिलाएं ही ज्यादा लगन और परिश्रम से कार्य करते हुए अपना शत प्रतिशत देती हैं।

ईश्वर को जानकर ही कोई जीव हो सकता है माया से पार : श्रीश्वरी

भिलाई। पंचम मूल जगद्गुरु भक्तियोग रसावतार 1008 कृपालु महाराज की प्रचारिका श्रीश्वरी का दार्शनिक प्रवचन उमरपोटी में जारी है। गुरुवार को प्रवचन के तीसरे दिवस श्रीश्वरी देवी ने श्वेताश्वतरोपनिषद् के मंत्र तमेव विदित्वा अतिमृत्युमेति नान्यः पन्था विद्यतेऽयनाय की व्याख्या को क्रम में बताया। उन्होंने कहा कि ईश्वर को जानकर ही कोई जीव माया से पार हो सकता है, इसका अन्य कोई मार्ग नहीं है, किंतु हम ईश्वर को कैसे जानें? इसके उत्तर में उन्होंने बताया कि वेदों–शास्त्रों से ढेरों प्रमाण देते हुए यह बताया कि ईश्वर को कोई जान ही नहीं सकता, क्योंकि ईश्वर इंद्रिय, मन एवं बुद्धि से परे है । हमारी इंद्रिय, मन एवं बुद्धि प्राकृतिक है एवं भगवान दिव्य है। अतः प्राकृत इंद्रिय, मन एवं बुद्धि दिव्य भगवान को भला कैसे ग्रहण कर सकती है। साथ ही साथ भगवान इंद्रिय, मन एवं बुद्धि के प्रेरक है, प्रकाशक है, धारक है, ज्ञाता है, एवं सर्वज्ञ है और हम जीव अल्पज्ञ है, इसलिए भगवान को नहीं जाना जा सकता।

> ■ कृपालु महाराज की प्रचारिका श्रीश्वरी के प्रवचन का तीसरा दिन

कार्नर न्यूज

फिलहाल अंडा थाने में पदस्थ, राज्य शासन से मिल चुका है गुण्डाधूर और शहीद कौशल पुरस्कार

गली-मोहल्ले में टेनिस खेलकर बड़ी हुई आकर्षी आज पुलिस विभाग में डीएसपी, स्कूली बच्चों को दी गुड टच-बैड टच की जानकारी

दुर्ग। दुर्ग के कसारीडीह की रहने वाली आकर्षी कश्यप शहर के लिए एक जाना पहचाना नाम है। उनके पिता डॉ. संजीव कश्यप पेश से डॉक्टर हैं, जो घर पर क्लीनिक चलाते हैं। आकर्षी को बचपन से ही बैडमिंटन खेलने का शौक रहा। उसने इस खेल को अपना पैशन बना लिया। गली-मोहल्ले से बैडमिंटन खेलते हुए वह बैडमिंटन कोट तक पहुंच गई, जहां से डिस्ट्रिक, स्टेट, नेशनल और इंटरनेशनल बैडमिंटन चैम्पियनशिप का हिस्सा बनी। एक दौर वह भी आया, जब बैडमिंटन में पूरे देश में आकर्षी के नाम की चर्चा होने लगी। इस दौरान आकर्षी ने कई बड़ी राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय चैम्पियनशिप में भाग लिया। मेडल भी जीते, उनकी खेल प्रतिभा को देखते हुए उन्हें पुलिस विभाग में नौकरी मिल गई है। करीब 23 वर्षीय आकर्षी अब पुलिस विभाग में डीएसपी बन गई हैं। अंडा थाने में फिलहाल ट्रेनी डीएसपी हैं। इस दौरान उन्होंने स्कूली बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में जानकारी दी। गुरुवार को स्कूली बच्चों को खेल-खेल में और रोचक कहानियों के माध्यम पुलिस की बेसिक कार्यशैली और कम्यूनिटी पुलिसिंग के बारे में बताया गया। आकर्षी ने बच्चों से सवाल-जवाब कर उनकी जिज्ञासाओं को भी शांत किया। आकर्षि कश्यप ने स्कूली बच्चों को पुलिस के हेल्पलाइन नंबर के बारे में बताया। बच्चों को यह भी समझाया कि पुलिस कैसे अपराधियों को पकड़ती है और लोगों को कैसे मदद करती है। कार चलाने के दौरान शीट बेल्ट और बाइक-मोपेट में हेलमेट के उपयोग की जानकारी दी।

आकर्षी अपने समय में रहीं देश की नंबर एक बैडमिंटन खिलाड़ी

आकर्षी देश में बैडमिंटन की नंबर वन खिलाड़ी रहीं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिलहाल उनकी 43 वे नम्बर की रैंकिंग थी। आकर्षी की इस मेहनत को देखकर छत्तीसगढ़ के राज्य सरकार ने उन्हें डीएसपी की नौकरी देने का निर्णय लिया। 23 साल की उम्र में वे डीएसपी बन गई है। उन्होंने महज नौ साल की उम्र से उसने बेडमिंटन खेलना शुरू किया, वो जब हाथों में रैकेट लेकर बैडमिंटन कोर्ट में उतरती तो उसके शॉट्स देखकर हर कोई कह उठता की। अंतराष्ट्रीय स्तर पर भारत को एक बड़ा खिलाड़ी बैडमिंटन के खेल में मिलने वाला है।आकर्षी कश्यप के पिता डॉ. कश्यप का कहना है की छत्तीसगढ़ की सरकार ने उन्हें जो तोहफा दिया है, उसे आकर्षी ने स्वीकारा है।

आकर्षी कश्यप छत्तीसगढ़ से खेलते हुए सभी वर्ग में रही नेशनल चैम्पियन

आकर्षी कश्यप छत्तीसगढ़ में बैडमिंटन खेलते हुए बैडमिंटन के सभी वर्ग की नेशनल चैम्पियन रही हैं। उन्होंने अंडर-13, 15, 17, 19 में गोल्ड मेडल और सीनियर नेशनल में भी पदक हासिल किया है। वे एशियन जूनियर और वर्ल्ड जूनियर में भी टीम इंडिया की सदस्य रही हैं। इसके अलावा कश्यप खेलो इंडिया में भी विजेता रही हैं और इंडोनेशिया एशियन गेम्स 2018 में भारतीय बैडमिंटन दल की सदस्य भी रही हैं। कॉमनवेल्थ में भी उन्होंने देश के लिए पदक लाया। आकर्षि एशिया टीम चैम्पियनशिप फिलीपीन्स 2022 और एशिया चैम्पियनशिप मलेशिया 2022 में भी भारतीय दल की सदस्य थीं। बैकांक में आयोजित थामस व्ही उबेर कप में भी सम्मिलित थीं।

सिटी इवेंट

सीआईएसएफ ने लेंगपुई मिजोरम हवाई अड्डे पर की सुरक्षा तैनाती

भिलाई। भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में विमानन सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल सीआईएसएफ ने अब आधिकारिक रूप से मिजोरम के एकमात्र राष्ट्रीय हवाई अड्डे लेंगपुई की सुरक्षा का दायित्व संभाल लिया है। गुरुवार को इस अवसर को महत्वपूर्ण बनाने के लिये हवाई अड्डे पर एक औपचारिक समारोह आयोजित किया गया, जिसमें अनिल शुक्ला, डीजीपी मिजोरम, विजय प्रकाश महानिरीक्षक सीआईएसएफ नई दिल्ली, दीपक वर्मा उप महानिरीक्षक कोलकाता आदि उपस्थित थे। एयरपोर्ट विंग, सीआरपीएफ, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, इंडिगो, एलायंस एयर, आईओसी, बीपीसीएल, एआईएएसएल, एआईईएसएल, एमईटी और अन्य हितधारकों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। इस तैनाती के साथ लेंगपुई हवाई अड्डा सीआईएसएफ की सुरक्षा में आने वाला भारत का 69वां हवाई अड्डा बन गया है। यह मिजोरम में स्थापित होने वाली सीआईएसएफ की पहली इकाई भी है, जो पूर्वोत्तर भारत में बल की उपस्थिति को और सुदृढ़ करती है। एक उप कमांडेंट पद के अधिकारी के नेतृत्व में 121 सीआईएसएफ कर्मी तैनात किए गए हैं, जिन्हें बाद में बढ़ाकर 214 कर्मियों तक किया जाएगा। यह तैनाती मिजोरम पुलिस और सीआरपीएफ द्वारा वर्ष 1999 से स्थापित संयुक्त सुरक्षा व्यवस्था की जगह लेगी। मिजोरम की 700 किमी से अधिक लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा को देखते हुए विमानन सुरक्षा का महत्व और भी बढ़ जाता है।

धर्म इवेंट

गुरु अरजन देव रचित सुखमनी साहिब का 40 दिनों तक पाठ

भिलाई। गुरुद्वारा गुरु अरजन देवजी हाउसिंग बोर्ड में जीवनशैली को गुरुओं के समर्पण भाव और शीतल व्यक्तित्व के अनुसार ढालकर देश व समाजहित में जीवन समर्पित करने का प्रण लेकर शहीदी पर्व मनाया गया। पूरे देश के सभी गुरुद्वारों के अनुकरण के आधार पर सिख धर्म के पांचवें धर्मगुरु गुरु अरजन देव की रचित बाणी सुखमनी साहिब के अनवरत पाठ लगातार 40 दिन तक हुए। अरदास से प्रतिदिन शाम 4 बजे से 6 बजे तक सुखमनी साहेब के पाठ हुआ। पाठ की समाप्ति पर उपस्थित सभी समाज के श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के रागियों ने सजे कीर्तन दरबार में गुरु की कुर्बानियों एवं परमात्मा की महिमा के वर्णन को कीर्तनों कथाओं के माध्यम से सुना। 30 मई को होगा चना शर्बत का वितरण। संगत को बताया गया कि शहीदों के सरताज एवं शान्तिपुंज आध्यात्मिक जगत में सर्वोच्च स्थान प्राप्त गुरु अरजन देव को ब्रह्मज्ञानी कहा जाता है। गणना की दृष्टि से गुरुग्रंथ साहिब में सर्वाधिक वाणी गुरु की ही है। गुरु शांत और गंभीर स्वभाव के स्वामी थे। वे दिन-रात संगत सेवा में लगे रहते थे। उनके मन में सभी धर्मों के प्रति अथाह स्नेह था। मानव-कल्याण के लिए उन्होंने आजीवन शुभ कार्य किए।

- परमात्मा की महिमा का किया बखान

शहजादा खुसरो को शरण देने से जहांगीर हो गए थे गुरु अरजन देव से नाराज

संगत में बताया गया कि कट्टर-पंथी जहांगीर के दिल्ली का शासक बनने पर उसे और कोई धर्म पसंद न होने के कारण गुरु के धार्मिक और सामाजिक कार्य भी उसे सुखद नहीं लगते थे। शहजादा खुसरो को शरण देने के कारण जहांगीर गुरु से नाराज था। 28 अप्रैल 1606 को बादशाह ने गुरु को परिवार सहित पकड़ने का हुक्म जारी कर उनका परिवार मुरतजाखान के हवाले कर घरबार लूट कर लाहौर पाकिस्तान में अत्यंत यातनाएं देकर उनकी हत्या करवा दी। इससे गुरु ने शहीदी प्राप्त की। अनेक कष्ट झेलते हुए गुरु शांत रहे, उनका मन एक बार भी कष्टों से नहीं घबराया। गुरु साहेब को गर्म तपते तवे पर बिठाकर ऊपर से गर्म रेत डाला गया। ऐसी यातनाएं उन्होंने सही। इस प्रकार उन्होंने यातनाएं सहकर भी देशवासियों का भला किया। आयोजन स्थल पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष जसवीर सिंग सहित अन्य मौजूद सदस्यों ने परमात्मा के हर निर्णय को सहर्ष अंगीकार करने का संकल्प लिया।

व्यापमं ने पीपीटी और प्रीएमसीए एग्जाम के लिए प्रवेश पत्र किए जारी

भिलाई। व्यावसायिक परीक्षा मंडल की ओर से प्री पॉलिटेक्निक टेस्ट और प्री एमसीए परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं। 1 मई की सुबह प्री पॉलिटेक्निक व दोपहर को प्री एमसीए परीक्षा आयोजित की जाएगी। व्यापमं की वेबसाइट vyapamcg.cgstate.gov.in पर प्रवेश पत्र उपलब्ध है। व्यापमं ने सूचना जारी कर कहा है कि अभ्यर्थी एक घंटे पहले ही परीक्षा केंद्र में पहुंच जाएं। ताकि वेरिफिकेशन जल्द हो और वे परीक्षा में बैठ सकें। व्यापमं की ओर से हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है। किसी भी तरह की परेशानी के लिए अभ्यर्थी 0771-2972780 और 8269801982 पर संपर्क कर सकते हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों व्यापमं की ओर से सभी परीक्षाओं का कैलेंडर जारी किया गया था। इसके अनुसार ही परीक्षाएं आयोजित हो रही है।

● निरंकारी बाबा हरदेव सिंह के कथन रक्त नाड़ियों में बहे नालियों में नहीं... को किया चरितार्थ

रक्तदान से दिल की दौरे की संभावना 25 प्रतिशत तक होती है कम, इसलिए हर स्वस्थ मनुष्य को करना चाहिए ब्लड डोनेट

भिलाई। संत निरंकारी मिशन ने गुरुवार को मानव एकता दिवस मनाया। मानव एकता दिवस का दिन उन बलिदानी संतो को समर्पित है, जिन्होंने अपना सारा जीवन मानवता के लिए समर्पित किया है। इसी कड़ी में निरंकारी बाबा हरदेव सिंह के कथन मानव का रक्त नाड़ियों में बहे, नालियों में नहीं को चरितार्थ करते हुए संत निरंकारी चेरिटेबल फाउंडेशन द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में कुल 312 यूनिट रक्तदान किया गया। 388 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीयन कराया। हीमोग्लोबिन की कमी व अन्य कारणों की वजह से 76 रक्तदाताओं को जिला ब्लड बैंक के अधिकारियों ने अयोग्य घोषित कर दिया। इस शिविर में 97 यूनिट महिलाओं और 215 यूनिट पुरुषों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में निगम आयुक्त राजीव पांडेय भी पहुंचे, उन्होंने रक्तदान कर मानवता का श्रेष्ठ उपहार दिया। संयोजक सतपाल सैनी ने बताया कि पिछले 40 वर्षों से संत निरंकारी मिशन द्वारा लाखों यूनिट रक्तदान मानव जगत को समर्पित किया जा चुका है। इस रक्तदान शिविर में सद्गुरु माता सुदीक्षा के वचनों को मानकर मिशन के भक्तों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव को संदेश दिया। अय्यप्पा मंदिर सेक्टर 2 में शिविर लगाया गया।

आपका रक्तदान किसी को दे सकता है जीवनदान

सतपाल सैनी ने कहा कि आपका रक्तदान किसी के लिए जीवनदान हो सकता है। एक अनूठी मिसाल प्रस्तुत करते हुए कई परिवार पूरे परिवार के सदस्यों ने रक्तदान कर एक अनूठी मिसाल पेश की। अय्यप्पा मंदिर सेक्टर 2 में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में मुख्य रूप से विधायक रिकेश सेन, एसपी विजय अग्रवाल, महापौर नीरज पाल, चेंबर ऑफ कामर्स से अजय भसीन मुख्य रूप से मौजूद थे। समाज के सतपाल सैनी, संदीप निरंकारी, इंद्रजीत निरंकारी, डॉ. एसएल वर्मा ने सभी अतिथियो का स्वागत दुपट्टा पहनाकर किया।मानव एकता दिवस के उपलक्ष्य में विशेष सत्संग का भी आयोजन किया गया। सत्संग में संत रूपचंद पृथ्वानी ने कहा कि बाबा गुरबचन सिंह का जीवन मानवता को समर्पित रहा है। निरंकारी मिशन का मुख्य उद्देश्य मानव जीवन का कल्याण करना और लोगों को निरंकार (निराकार परमात्मा) से जोड़ना है।

जिला अस्पताल के ब्लड बैंक ने दी निशुल्क सेवा

इस अवसर पर जिला अस्पताल के ब्लड बैंक ने शिविर में निशुल्क सेवा दी। नोडल अधिकारी डॉ. प्रवीण अग्रवाल, लैब टेक्नीशियन रोशन सिंह, रूपेश सरपे, महेंद्र चंद्राकर, तरनूम, महेश चंद्राकर, ओम प्रकाश साहू, कृष्ण कांत तिवारी, दिनेश सहित अन्य मौजूद थे। शिविर में उदला राम, सुरेश प्रकाश, कन्हैया देवांगन, विजय साव, रोहित,विकास, दिग्विजय सिंह, विनीत अकेला आदि ने सहयोग प्रदान किया। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान से दिल की बीमारी का खतरा कम होता है, इस बात के समझते हुए हर स्वस्थ व्यक्ति को साल में कम से कम एक बार रक्तदान जरूर करना चाहिए।

नशा के खिलाफ भी अभियान

बाल विवाह...आपके आस-पास हो रहा तो टोल फ्री 1098 नंबर पर करें फोन

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाव बेटी पढ़ाओ एवं बाल विवाह के रोकथाम एवं एक युद्ध नशे के विरूद्ध जागरूकता कार्यक्रम व रैलियों का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत पाटन के छाटा और दुर्ग के ग्राम नगपुरा में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें सरपंच, सचिव, शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व ग्रामीणों को महिला एवं बाल विकास विभाग दुर्ग में पदस्थ सीता कनौजे एवं चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 से आशीष साहू, भारती चौबे, सविता साहू, सखी वन स्टाप सेंटर 181 से असंति साहू, हिना द्वारा भिक्षावृत्ति, बाल विवाह रोकथाम, दत्तक ग्रहण, महिला उत्पीड़न, फास्टर केयर, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की विस्तृत जानकारी दी गई। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी से मिली जानकारी अनुसार बच्चों को बताया गया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत 21 वर्ष से कम आयु के लड़के और 18 वर्ष से कम आयु की लड़की के विवाह को प्रतिबंधित करता है। अगर कोई 21 वर्ष से कम आयु के लड़के 18 वर्ष से कम आयु की किसी बालिका से विवाह करता या कराता है तो उसे दो वर्ष तक के कठोर कारवास अथवा जुर्माना जो कि एक लाख रूपए तक हो सकता है अथवा दोनों से दण्डित किया जा सकता है। कोई व्यक्ति जो बाल विवाह करवाता है, करता है अथवा उसकी सहायता करता है। उन्हें दण्डित किया जा सकता है। कोई व्यक्ति जो बाल विवाह को बढ़ावा अथवा जानबूझकर उसकी अनुमति देता है, बाल विवाह में सम्मिलित होता है तो उसे भी दण्डित अथवा जानबुझकर उसकी अनुमति देता है। बाल विवाह में सम्मिलित होता है तो उसे भी दण्डित किया जा सकता है। बाल विवाह की सूचना 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर पर दी जा सकती है। इस दौरान पोषण से जुड़ी जानकारी भी दी गई।

छाटा और नगपुरा में कार्यक्रम, ग्रामीणों को दी कानूनी जानकारी

मीनाक्षी नगर बोरसी में आयोजन

पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले लोगों को दी श्रद्धांजलि

दुर्ग। प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मीनाक्षी नगर बोरसी स्थित उनके निवास में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में जान गांवने लोगों को मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा और ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस अवसर पर पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, रिसाली महापौर शशि सिन्हा, प्रदीप चंद्रकार, केशव बंटी हरमुख, महामंत्री जितेन्द्र साहू, मुकुंद भाऊ, चंद्रकांत कोरे, नंद सेन आदि मौजूद थे।

- पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू आयोजित कार्यक्रम में हुए शामिल, कहा-यह घटना कायराना

सहायक सांख्यिकी अधिकारी भर्ती परीक्षा के मॉडल आंसर जारी

भिलाई। कृषि विभाग में सहायक सांख्यिकी अधिकारी भर्ती परीक्षा के मॉडल उत्तर जारी कर दिए गए हैं। व्यापमं की वेबसाइट पर जाकर अभ्यर्थी मॉडल उत्तर देख सकते हैं। इस मॉडल उत्तर पर 30 अप्रैल दोपहर 3 बजे तक तक दावा आपत्ति मंगाई गई है। अगर किसी अभ्यर्थी को इन मॉडल आंसर पर आपत्ति हो तो वे व्यापमं की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन दावा आपत्ति कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें प्रति प्रश्न 50 रुपए जमा करना पड़ेगा। गौरतलब है कि कृषि विभाग में 17 पदों पर सहायक सांख्यिकी अधिकारी की भर्ती होगी। इसके लिए करीब 37 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। व्यापमं की ओर से इसके लिए 13 अप्रैल को परीक्षा आयोजित की गई थी। सिर्फ 16 प्रतिशत अभ्यर्थी ही परीक्षा देने पहुंचे। इस अनुसार करीब 6 हजार अभ्यर्थी ही परीक्षा में शामिल हुए। रायपुर में 29 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। यहां 10 हजार से अधिक अभ्यर्थी थे। इनमें से करीब 1600 एग्जाम देने पहुंचे। कई सेंटर ऐसे थे जहां पंजीकृत अभ्यर्थियों की संख्या 3 सौ से अधिक थी, वहां 50-60 ही पहुंचे। इससे पहले, इस साल व्यापमं की ओर से दो अन्य परीक्षाएं जैसे प्रयोगशाला सहायक और मत्स्य निरीक्षक की परीक्षा हुई थी। इसमें भी उपस्थिति कम थी। परीक्षा में कुल 100 अंकों की थी।

ज्येष्ठ नागरिक संघ के 33वें स्थापना दिवस समारोह में जुटे 80 प्लस के बुजुर्ग

बुजुर्गों के इलाज के लिए पद्मनाभपुर में चल रहा फिजियोथेरेपी सेंटर, पार्षद ने कमरे के निर्माण के लिए की 2 लाख की घोषणा

कार्नर न्यूज

दुर्ग। ज्येष्ठ नागरिक संघ का 33वां स्थापना दिवस समारोग आशीर्वाद भवन पद्मनाभपुर के मुख्य हाल में वरिष्ठ नागरिकों की उपस्थिति में मनाया गया। के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सुधीर शर्मा, हिन्दी विभागाध्यक्ष कल्याण कॉलेज एवं विशेष अतिथि नरेन्द्र कुमार राठौड़ स्व चिमन भाई राठौड़ सेवा संस्थान के प्रमुख थे। मंचस्थ अतिथियों में संघ के अध्यक्ष डॉ. देव मांडरिक, उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष वरिष्ठ नागरिक फैडरेशन एवं वार्ड पार्षद संजय अग्रवाल उपस्थित थे। सरस्वती वंदना गायन नीरा सिंह एवं हारमोनियम पर संगत जीएस पदमवार ने दी। इसके साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। डॉ. मांडरिक ने बताया कि आज से वर्ष पूर्व संघ की नींव स्व. एमएस डांगे एवं स्व. दिनकर डांगे ने रखी थी। हमारे पूर्व वरिष्ठ सदस्यों के अथक प्रयासों के चलते तत्कालीन महापौर सरोज पांडे ने पद्मनाभपुर स्थिति पूर्ण सुविधा यह आशीर्वाद भवन वर्ष 2008 में ज्येष्ठ नागरिक संघ को सौंपा।

वरिष्ठजनों और बुजुर्गों के अनुभवों और विचारों का हो उपयोग

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ सुधीर शर्मा ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के अनुभवों एवं विचारों का उपयोग किया जाना चाहिए, न कि उन्हें रिटायरमेंट देकर घर पर बैठा देना चाहिए। आज विदेशों में वरिष्ठ नागरिकों के अनुभवों एवं विचारों का उपयोग कर विकास के कार्यों को गति प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था को आज आयु से नहीं आंका जाना चाहिए, बल्कि इनके अनुभवों से आंका जाना चाहिए। इस अवसर पार्षद संजय अग्रवाल ने वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान में संस्था को पार्षद निधि से 2 लाख रुपए के कार्य स्वीकृत कराने की घोषणा की। इस भवन में बहुत कम दरों पर सभी नागरिकों के लिए पूर्ण सुविधा युक्त वातानुकूलित फिजियोथेरेपी सेन्टर स्थापित किया गया है। इसके अलावा संघ द्वारा समय-समय पर सुदूर ग्रामीण अंचल के स्कूली बच्चों को पौष्टिक आहार, यूनिफॉर्म वितरण किया जाता है संघ के प्रयासों से अंचल के वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा जेष्ठ नागरिकों को रियायती फीस लेकर जांच की जाती है।

50 से 60 वर्ष तक एक-दूसरे के साथ रहने वाले दंपत्तियों को किया सम्मानित

इस अवसर पर 50 से 60 वर्ष तक एक दूसरे के साथ रहकर दाम्पत्य जीवन बिताने वाले बुजुर्ग जोड़ों को सम्मानित किया गया। इसमें अजय आनंद एवं ललिता रानी का सम्मान शाल एवं श्रीफल भेंटकर किया गया। शादी के 50 वर्ष पूरे करने वाले दंपती रत्न जैन पाटनी एवं मुन्नी बाई पाटनी का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रशांत श्रीवास्तव ने किया। प्रमुख रूप से संघ के कार्यकारिणी सदस्य प्रकाश योगेश, सुधीर पाटणकर, राजेश बिसेन, टीएल मेश्राम, प्रवीण उजवने, अजय जाधव, शोभा अरोरा, नीरा सिंग सहित अन्य मौजूद थे।

सिटी स्पोर्ट्स

एक ही नाम की रेलवे की दो खिलाड़ी एशियन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में पदस्थ एक ही नाम की दो महिला खिलाड़ियों ने एशियन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई कर लिया है। पूजा नाम की दोनों खिलाड़ियों ने कोच्चि (केरल) स्थित महाराजास कॉलेज स्टेडियम में 21 से 24 अप्रैल तक आयोजित 28वीं नेशनल फेडरेशन सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन किया। इनमें टिकट कलेक्टर, कमर्शियल क्लर्क के तौर पर सेवा दे रही पूजा ने 1500 मीटर महिला दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए 4:12.56 मिनट का समय निकालकर दूसरा स्थान प्राप्त किया तथा एशियन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई किया। वहीं एक अन्य खिलाड़ी टिकट कलेक्टर,कमर्शियल क्लर्क पूजा ने हेप्टाथलॉन स्पर्धा में दमदार प्रदर्शन करते हुए 5401 अंक अर्जित कर दूसरा स्थान हासिल किया और एशियन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अपनी जगह सुनिश्चित की। दोनों खिलाड़ियों की इस शानदार उपलब्धि पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक सहित वरिष्ठ अधिकारियों तथा खेल संघ के पदाधिकारियों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह उपलब्धि न केवल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह अन्य खिलाड़ियों के लिए भी एक प्रेरणास्रोत है। रेलवे प्रशासन को दोनों खिलाड़ियों की मेहनत, लगन और समर्पण पर गर्व है।

भारतीय खेल प्राधिकरण में तीन हॉकी खिलाड़ियों का चयन

रायपुर। भारत सरकार के खेल मंत्रालय द्वारा संचालित भारतीय खेल प्राधिकरण (स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया – साई) के राजनांदगांव स्थित प्रशिक्षण केंद्र में क्षेत्र की तीन उभरती हुई हॉकी खिलाड़ियों का चयन हुआ है।

यह चयन साई के आवासीय हॉकी प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित चयन ट्रायल्स में शारीरिक दक्षता, फिटनेस टेस्ट और कौशल परीक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया। चयनित खिलाड़ियों में राजनांदगांव के पदुमलाल पुन्ना लाल बख्शी स्कूल की छात्रा चांदनी नेताम, शिव शक्ति पब्लिक स्कूल की छात्रा नंदिनी और लक्ष्य पब्लिक स्कूल की छात्रा जान्हवी मेश्राम शामिल हैं।

इस चयन प्रक्रिया में देश भर से आए प्रतिभाशाली युवा हॉकी खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। चयनित खिलाड़ियों को अब साई के छात्रावास में उच्च स्तरीय खेल सामग्री, संतुलित और पौष्टिक आहार, विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित प्रशिक्षण, तथा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फ़िरोज़ अंसारी ने बताया कि इस प्रकार की सुविधाएं खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होंगी और क्षेत्र के अन्य बच्चों को भी हॉकी के प्रति प्रोत्साहन मिलेगा।

राष्ट्रीय शालेय गतका क्रीड़ा प्रतियोगिता दिल्ली के लिए चयनित हुई निशा

रायपुर। 68वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता

दिल्ली में गतका खेल का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सरगुजा जिला गतका संघ से शासकीय कन्या उमा विद्यालय अंबिकापुर में पढ़ने वाली निशा टोप्पो का चयन हुआ है।

निशा सरगुजा के ग्रामीण अंचल से निकल कर आज देश की राजधानी दिल्ली में अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगी। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि सरगुजा के गांधी स्टेडियम में गतका खेल का सम्पूर्ण संसाधन उपलब्ध है।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयनित होने पर सरगुजा जिला गतका संयोजक रजत सिंह, कृष्ण एक्का, सुनैना जायसवाल, प्रियंका पैंकरा, खुशबू गुप्ता, प्रिया जायसवाल, अभिषेक, विक्की समेत अन्य खिलाड़ियों ने बधाई दी है।

थक्का बनने से रुकता है शरीर में बहता खून, प्रोटीन है इसके लिए जिम्मेदार

चोट लगने के बाद नहीं रुकता खून का बहना, आपके लिए जानलेवा हो सकती है हीमोफीलिया की समस्या

शरीर में चोट लगने, कहीं कट जाने पर खून निकलता है, हालांकि कुछ ही समय के भीतर खून निकलना बंद भी हो जाता है। ऐसा इसलिए होता है कि क्योंकि हमारा शरीर ऐसी स्थिति में खून का थक्का बना देता है जिससे कि ज्यादा खून न बहने पाए। पर क्या हो अगर किसी के शरीर में खून का थक्का ही न बने? ऐसी स्थिति में छोटे से कट से भी भारी मात्रा में खून बह सकता है जिससे शरीर पर कई प्रकार के दुष्प्रभाव हो सकते हैं। इस स्थिति को हीमोफीलिया कहा जाता है।

हीमोफीलिया एक दुर्लभ विकार है जिसमें शरीर में ब्लड क्लॉटिंग ही नहीं हो पाती है क्योंकि ऐसे रोगियों में रक्त का थक्का जमाने वाले प्रोटीन की कमी हो जाती है। जिन लोगों को हीमोफीलिया है उन्हें अधिक रक्तस्राव का खतरा रहता है। इसके अलावा आंतरिक रक्तस्राव आपके अंगों और ऊतकों को नुकसान पहुंचा सकती है जिसे जीवन के लिए खतरा माना जाता है।

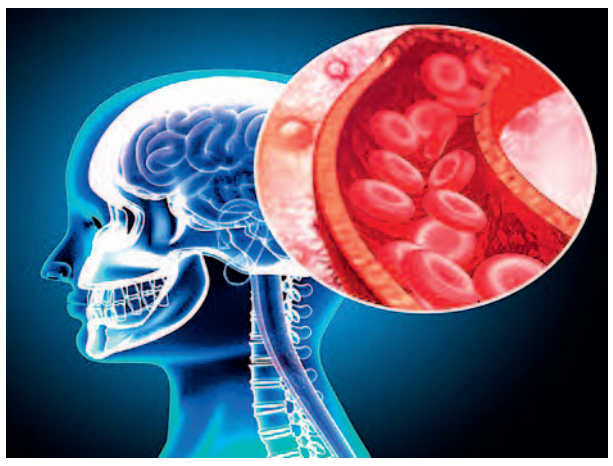

हीमोफीलिया की समस्या

हीमोफीलिया के लगभग सभी मामले आनुवंशिक विकार वाले होते हैं। जब किसी व्यक्ति को रक्तस्राव होता है, तो शरीर आमतौर पर रक्तस्राव को रोकने के लिए रक्त कोशिकाओं को इकट्ठा करके थक्का बनाता है। हीमोफीलिया तब होती है जब क्लॉटिंग फैक्टर का स्तर कम हो जाता है या फिर रक्त के थक्के बिल्कुल भी नहीं बन पाते हैं। यदि किसी व्यक्ति के परिवार के सदस्यों को इस तरह की समस्या रही है तो दूसरे लोगों को भी इसका खतरा हो सकता है। महिलाओं की तुलना में पुरुषों में हीमोफीलिया की समस्या अधिक देखी जाती रही है।

कैसे जानें कहीं आपको तो नहीं है ये समस्या

हीमोफीलिया के लक्षण थक्के जमने के कारकों के आधार पर अलग-अलग होते हैं। आपको बिना किसी कारण के रक्तस्राव होता है या फिर थोड़े से कट के बाद अधिक रक्त निकल जाता है और सामान्य तरीकों से ये कंट्रोल नहीं हो पाता है तो इसे हीमोफीलिया का संकेत माना जा सकता है।

कटने या चोट लगने पर अत्यधिक रक्तस्राव होना, टीकाकरण या इंजेक्शन से भी असामान्य रूप से खून निकलने की समस्या, मूत्र या मल में रक्त आना, नाक से खून आना इस बात का संकेत है कि आपको हीमोफीलिया हो सकती है।

हीमोफीलिया हो जाए तो क्या करें?

जिन लोगों में हीमोफीलिया की निदान होता है उन्हें उपचार में नस में एक ट्यूब के माध्यम से क्लॉटिंग बनाने वाले प्रोटीन दिए जाते हैं। कुछ प्रकार की दवाओं के माध्यम से भी रक्त के थक्के को बनने को बढ़ावा दिया जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ऐसे लोगों को चोट या किसी प्रकार के कट से बचाव को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। कुछ स्थितियों में गंभीर रक्तस्राव जानलेवा भी हो सकती है।

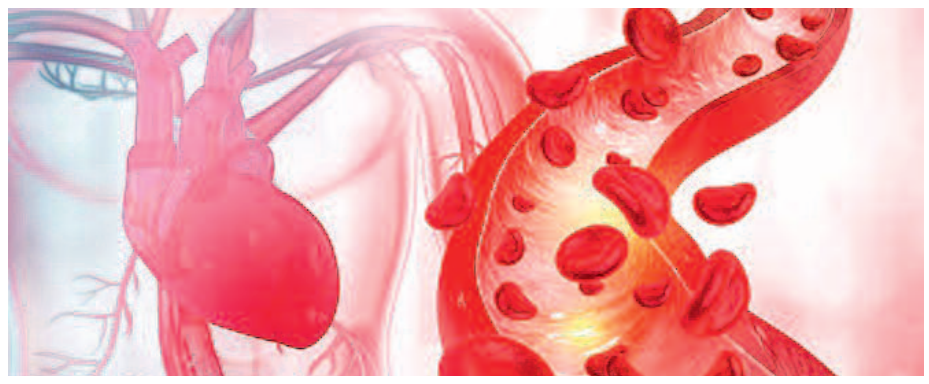

गर्मियों में पराठा बनाते वक्त इन बातों का रखें ध्यान, दिन बन जाएगा खास

कई लोग सुबह नाश्ते में सिर्फ पराठे खाना पसंद करते हैं। मगर कई बार गर्मी इतना ज्यादा बढ़ जाती है कि पराठे कुछ ज्यादा हैवी हो जाते हैं। हालांकि, पराठे के पेट तो भर जाता है, लेकिन बाद में कई तरह की दिक्कत होने लगती है। माना यह एक हेल्दी ऑप्शन है, लेकिन इसे हर रोज खाना अच्छा नहीं माना जाता। अगर पराठे बनाते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखा जाए, तो पराठे को हेल्दी बनाया जा सकता है। बता दें कि पराठा सेहत पर बुरा असर तब डालता है, जब इसे गलत तरीके से बनाया जाता है।

मैदा की जगह आटा करें इस्तेमाल

कई लोग पराठे बनाते वक्त मैदा का इस्तेमाल करते हैं। उन लोगों का मानना है कि मैदा डालने से पराठा क्रिस्पी बनेगा, लेकिन ऐसा नहीं है। मैदा थोड़ा हैवी होता है और देर से पचता भी है। साथ ही, यह पराठे को थोड़ा हैवी भी बनाने का काम करता है।

इसलिए बेहतर होगा कि आप मैदा का थोड़ा भी इस्तेमाल न करें। गेहूं के आटे से पराठे का आटा गूंथे और कुछ देर रखें। ऐसा करने से आपका पराठा बिल्कुल परफेक्ट बनेगा और हेल्दी भी रहेगा।

पराठे में मौसमी सब्जियों को करें शामिल

पराठे को हेल्दी बनाने के लिए मौसमी सब्जियों को शामिल किया जा सकता है। सब्जियों को शामिल करने से पराठा न सिर्फ स्वादिष्ट बनेगा, बल्कि हेल्दी भी रहेगा। आप डिहाइड्रेशन से बचने के लिए खीरा और दूसरी सब्जियों को शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा, हरी सब्जियों को शामिल कर सकते हैं। हरी सब्जियों से पराठे को नया स्वाद मिलेगा, साथ ही आपको कई तरह के पोषक तत्व भी मिलेंगे। ऐसे में

बहुत जरूरी है कि आप पराठे बनाते वक्त मौसमी सब्जियों को शामिल करें।

पराठे बनाते में घी का करें कम इस्तेमाल

एक्सपर्ट की मानें तो घी खाना सेहत को फायदा पहुंचाता है। लेकिन इसे बहुत अधिक मात्रा में नहीं खाना चाहिए। रोज लगभग 1 चम्मच घी खाने की सलाह दी जाती है। इससे ज्यादा घी हेल्थ के लिहाज से किसी भी तरह ठीक नहीं होता। ऐसे में अगर आप एक पराठे के लिए 2 चम्मच घी का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो इसका मतलब यह है कि आपको 2 पराठे बनाने में 4 चम्मच घी लग गया। ऐसे में जरूरी है कि आप पराठे बनाते वक्त कम घी का इस्तेमाल करें।

पराठे के ऊपर बटर डालकर नहीं खाएं

अगर आप पराठे के ऊपर एक्स्ट्रा बटर डालते हैं, तो इससे कई तरह की परेशानियां पैदा हो सकती हैं। साथ ही, आपको गर्मियों में थोड़ा अजीब लग सकता है। ऐसे में जरूरी है कि ऊपर से मक्खन डालकर न खाएं।

थाली में नहीं, इन पत्तों पर लगाइए भगवान को भोग

भगवान के पूजा-पाठ में तमाम तरह की चीजों का उपयोग किया जाता है। उसमें से एक है प्रसाद चढ़ाने के लिए बर्तन या पत्तल। बता दें कि हिंदू धर्म में पत्तों पर भोग लगाने का विशेष महत्व है। आजकल लोग अपनी सहुलियत को देखते हुए प्लास्टिक के दोना-पत्तल में भोग लगाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है प्लास्टिक को शुद्ध नहीं माना गया है। इसलिए लोगों को प्लास्टिक की चीजों पर भोग नहीं लगाना चाहिए।

बर्तनों में भोग लगाने से ज्यादा भगवान को पत्तलों में भोग ग्रहण करना ज्यादा प्रिय है। तो चलिए जानते है कि नियमित पूजन के दौरान हम भगवान को भोग लगाने के लिए किन पत्तों का उपयोग कर सकते हैं।

केले के पत्ते में लगाएं भोग

केले के पेड़ में स्वयं भगवान विष्णु वास करते हैं। इसलिए इसके पत्ते में भोग लगाने से भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है। साथ ही यह भगवान विष्णु का प्रिय पेड़ है इसलिए केले के पत्ते में लगे भोग को भगवान प्रसन्नता से स्वीकार करते हैं। शास्त्रों के अनुसार केले के पत्ते में माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु (भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए क्या करें) को भोग लगाने से हमेशा घर में अन्न का भंडार बना रहता है और घर में प्रेम मिठास भी बना रहता है। आप केले के पत्तों को काटकर उसपर भोग रखें और भगवान को अर्पित करें। पान के पत्ते का उपयोग पूजा पाठ में नवग्रह स्थापना करने से लेकर भगवान को बीड़ा बनाकर अर्पित करने तक, तमाम तरह की चीजों के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

जॉब नहीं लग रही तो इन फ्री फाइनेंस कोर्स का लें सहारा

क्या आप फाइनेंस के बारे में अधिक जानना चाहते हैं और अपने करियर को इसी सेक्टर में आगे बढ़ाना चाहते हैं? अगर हां, तो आपके लिए ये 3 मुफ्त फाइनेंस कोर्स एकदम सही साबित हो सकते हैं। ये पाठ्यक्रम आपको फाइनेंस की बुनियादी बातों से लेकर इंडस्ट्री लेवल तक सब कुछ सिखाएंगे। अगर आपको नौकरी नहीं मिल रही है, तो परेशान न हों, आप इन तीन फ्री फाइनेंस कोर्स के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

येल विश्वविद्यालय द्वारा वित्तीय बाजारों पर कई मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए जाते हैं। ये फाइनेंशियल मार्केट, स्टॉक मार्केट, इंश्योरेंस कवर करती है। भारतीय प्रबंधन संस्थान बैंगलोर (आईआईएमबी) का बैंकिंग और वित्तीय बाजारों का परिचय पाठ्यक्रम, शिक्षार्थियों को बैंकिंग और वित्तीय बाजारों, संबंधित संस्थानों, तंत्रों और प्रक्रियाओं की गतिशीलता से परिचित कराता है। यह पाठ्यक्रम प्रोफेसर पीसी नारायण द्वारा पढ़ाया जाता है। यह उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो वित्तीय क्षेत्र के बारे में अपना ज्ञान बढ़ाना चाहते हैं।

पाठ्यक्रम के लिए आवेदन कैसे करें?

यह पाठ्यक्रम स्वयं मंच के माध्यम से पेश किया जाता है। स्वयं भारत सरकार की एक पहल है जो मुफ्त और अच्छी शिक्षा ऑनलाइन प्रदान करती है। पाठ्यक्रम के लिए आवेदन करने के लिए, आपको स्वयं वेबसाइट पर एक खाता बनाना होगा और फिर पाठ्यक्रम के लिए नामांकन करना होगा। भारतीय स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) ऑनलाइन प्रमाणन पाठ्यक्रमों की सुविधा प्रदान करता है जो कई प्रकार के विषयों को कवर करते हैं, जिनमें व्यवसाय, प्रबंधन, वित्त, और प्रौद्योगिकी शामिल हैं। ये पाठ्यक्रम व्यस्त पेशेवरों के लिए डिज़ाइन किए गए हैं जो अपने ज्ञान और कौशल को विकसित करना चाहते हैं।

आईएसबी ऑनलाइन प्रमाणन पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कैसे करें

आईएसबी ऑनलाइन प्रमाणन पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए, आपको पहले आईएसबी वेबसाइट पर एक खाता बनाना होगा। एक बार जब आपके पास एक खाता हो जाता है, तो आप उपलब्ध पाठ्यक्रमों की सूची ब्राउज कर सकते हैं और आवेदन कर सकते हैं।

वित्त में काम करने के लिए एमबीए की ज़रूरत नहीं होती। हालांकि, यह क्षेत्र काफी प्रतिस्पर्धी है, खासकर शुरुआती स्तर पर, वित्त डिग्री की कमी की भरपाई के लिए प्रासंगिक प्रमाणपत्र और व्यावहारिक अनुभव हासिल करना जरूरी हो सकता है। इनकम टैक्स ऑफिसर, यूनिवर्सिटी प्रोफेसर, सरकारी डॉक्टर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, एक्सटर्नल अफेयर्स, मर्चेंट नेवी जैसी सरकारी नौकरियां अच्छी मानी जाती हैं। 12वीं के बाद आप तकनीशियन, टिकट कलेक्टर, सहायक लोको पायलट, स्टेशन मास्टर के रूप में काम कर सकते हैं।

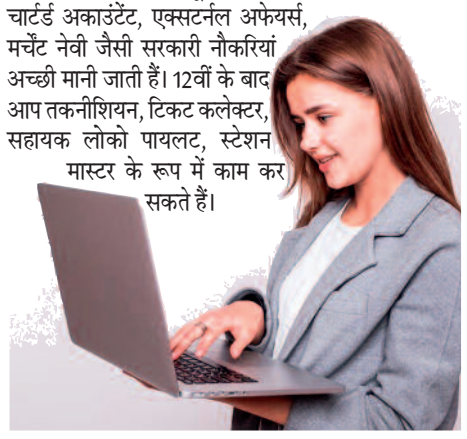

कार्नर न्यूज

काम में नहीं लगता आपका मन, तो अपनाएं वास्तु के जरूरी टिप्स

काम करते हुए आप खुद को खोया हुआ महसूस करते हैं तो मदद लीजिए वास्तु की

किसी भी काम को अच्छी तरह से करने के लिए जरूरी है कि उसमें मन लगाया जाए। हालांकि, कुछ लोगों की यह शिकायत होती है कि उनका काम में मन ही नहीं लगता है। जब भी वे किसी काम को करने लगते हैं तो उनका मन इधर-उधर भागने लगता है या फिर उनका मन उचाट लगने लगता है। ऐसे में काम में फोकस नहीं हो पाता है और व्यक्ति या तो गलतियां करने लगता है या फिर मन ना होने पर काम करने के कारण उसका काम काफी देर से खत्म होता है। यह कहीं ना कहीं आपको परेशान कर सकता है। हो सकता है कि आपके साथ भी अक्सर ऐसा होता हो और इस वजह से आप खुद को मानसिक रूप से परेशान महसूस करते हो। तो ऐसे में आपको वास्तु के कुछ छोटे-छोटे टिप्स अपनाने की जरूरत होती है। दरअसल, हमारे आसपास ऐसी कई चीजें होती हैं, जो हमारा ध्यान भटका सकती हैं या फिर उनकी वजह से हमारा काम में मन नहीं लगता है। तो चलिए आज इस लेख में वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज आपको कुछ ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

जरूर चेक करें खिड़की-दरवाजे

अगर आपको यह महसूस होता है कि आपका अपने काम में मन ही लगता है या फिर वह बार-बार भटकता है तो ऐसे में आपको अपने घर के खिड़की-दरवाजे जरूर चेक करने चाहिए। अगर आपके घर के खिड़की-दरवाजे खुलने व बंद होने पर चूं-चूं की आवाज करते हैं तो इससे आपका ध्यान भटकता है। ऐसे में कोशिश करें कि आप अपने घर के दरवाजों व खिड़कियों की ऑयलिंग करें, जिससे उनमें से आवाज ना आए।

दक्षिण-पश्चिम दिशा में ना हो मुख

घर में आप किस दिशा में मुख करके बैठते हैं, इस पर भी ध्यान देना चाहिए। अगर अक्सर काम करते हुए या फिर घर में उठते-बैठते आपका मुख ज्यादातर दक्षिण-पश्चिम दिशा में रहता है तो इससे भी व्यक्ति का मन काम में नहीं लगता है। ऐसे में व्यक्ति को बेवजह तनाव रहता है और उसे बहुत अधिक गुस्सा आता है। हरदम इस दिशा में मुख करके बैठने से व्यक्ति अधिक चिड़चिड़ा हो जाता है। यहां तक कि वह बेवजह ही घर के सदस्यों पर गुस्सा करना या चिल्लाना शुरू कर देता है।

ऑक्सीजन का प्रवाह

आपको ऐसा लगता है कि घर के सभी सदस्य अक्सर तनाव में रहते हैं या फिर उनका काम में मन नहीं लगता है तो आपको घर में ऑक्सीजन की सप्लाई पर ध्यान देना चाहिए। कुछ लोग अपने घर के खिड़की-दरवाजे हरदम बंद रखते हैं। ऐसा करने से ऑक्सीजन का प्रवाह सही नहीं होता है, जिससे घर में सकारात्मक ऊर्जा नहीं आ पाती है।दरवाजों की दिशाका भी ठीक होना जरूरी होता है। इससे भी आपका मूड हरवक्त खराब रहेगा और आपका काम में मन नहीं लगेगा। हो सकता है कि आपका घर से बाहर निकलने का भी मन ना करे और आप बहुत अधिक सुस्ती महसूस करें। अगर आपको काम में अपना ध्यान लगाने में समस्या महसूस हो रही है तो ऐसे में आपको अपने घर व ऑफिस में रखी फाइलों को चेक जरूर करना चाहिए।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

हैरी पॉटर की टीवी सीरीज के कलाकारों की घोषणा, किरदारों को लेकर उत्सुकता

हैरी पॉटर की जादुई दुनिया को लेकर प्रशंसकों में हमेशा से ही उत्साह रहा है। हैरी पॉटर की टीवी सीरीज में कौन से कलाकार किसका रोल निभाएंगे, इस बात का खुलासा कर दिया गया है। हैरी पॉटर की सीरीज में अल्बस डंबलडोर के रोल में जॉन लिथगो नजर आएंगे। वहीं मिनर्वा मैकगोनागल के रोल में जेनेट मैकटीर और सेलेरस स्नेप के रोल में पापा एस्सीडू नजर आएंगे। वहीं रुबस हैग्रिड का खास रोल निक प्रॉस्ट निभाएंगे। इन सभी के अलावा ल्यूक थैलोन क्विरिनस क्विरेल के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म निर्माताओं ने कहा, 'हमें डंबलडोर, मैक्गोनागल, स्नेप, हैग्रिड, क्विरेल और फिलच के रोल के लिए जॉन लिथगो, जेनेट मैकटीयरस, पापा एस्सीडू, निक फ्रॉस्ट, ल्यूक थैलोन और पॉल व्हाइटहाउस को सीरीज में लेकर बेहद खुशी हो रही है।' वैराइटी के अनुसार, यह सीरीज के कास्ट की पहली लिस्ट जारी की गई है। हाल ही में एचबीओ ने फिल्म के मुख्य अभिनेता हैरी पॉटर, हरमॉइनी और रॉन के लिए एक ओपन कॉस्टिंग कॉल शुरू की थी, जिसमें 30, 000 से ज्यादा सब्मिशन आए। इस शो की शूटिंग इस गर्मी से शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म का निर्देशन मार्क मायलॉड करेंगे। सीरीज का लेखन प्रांसेस्का गार्डिनर करेंगी।

टॉलीवुड

चिरंजीवी के साथ नजर आएंगे नानी, बोले- इसके बारे में अभी बताना जल्दबाजी होगी

नेचुरल स्टार नानी की फिल्म 'हिट 3', 1 मई को रिलीज होने वाली है। नानी इस फिल्म के प्रचार में व्यस्त हैं। वहीं इसी बीच उन्होंने अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर खुलासा किया है। नानी की फिल्म 'हिट 3' रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म की रिलीज से पहले नानी ने साउथ निर्देशक से साथ मिलाया है। इस फिल्म में नानी के साथ चिरंजीवी भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। जब एक इंटरव्यू में नानी से चिरंजीवी और ओडेला की फिल्म के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इसे खास अनुभव बताया और चिरंजीवी के व्यवहार की तारीफ की।

खबर के मुताबिक, नानी ने कहा, ₹मैं चिरंजीवी गारू से कई बार मिला, लेकिन इस बार खास था। उन्होंने पहले खाना खाने को कहा। मैंने सुझाव दिया कि चिरंजीवी और श्रीकांत को फिल्म करनी चाहिए। वे मेरे आइडिया से खुश हुए। अभी उस फिल्म के बारे में ज्यादा बात करना जल्दबाजी होगी।₹ फिल्म 'द पैराडाइज' की रिलीज के बाद ही इस फिल्म का प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू होगा।

चिरंजीवी और नानी एक फिल्म में नजर आएंगे। इस बात से बेहद उत्साहित हैं फैंन, लेकिन फिल्म का काम अभी शुरू नहीं हुआ है, जो फैंस के लिए थोड़ी निराशा की बात है। मेकर्स चिरंजीवी के साथ एक सीनियर बॉलीवुड हीरोइन को कास्ट करना चाहते हैं, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई। फिल्म का निर्माण एसएलवी सिनेमा के सुधाकर चेरुकुरी करेंगे।

छॉलीवुड

'गुइयां-2' रिलीज होगी 2 मई को, ट्रेलर ने रिझाया दर्शकों को

छत्तीसगढ़ी फिल्म ₹गुईयां-2₹ का निर्देशन अमलेश नागेश ने खुद किया है। यह फिल्म 2 मई को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। जिसे छत्तीसगढ़ी फिल्मों के दर्शक पसंद कर रहे हैं। अमलेश नागेश इस फिल्म के माध्यम से दर्शकों के बीच अपनी पैठ बनाने की कोशिश की है, क्योंकि उनकी पिछली कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो पाई थीं। मोहित साहू ने इस फिल्म का निर्माण किया है और उन्हें उम्मीद है कि ₹गुईयां-2₹ भी सफल होगी। फिल्म की टीम में अमलेश नागेश, दिलेश साहू, अनिकृति चौहान, दीक्षा जयसवाल, प्रकाश अवस्थी, धर्मेंद्र चौबे, जीत शर्मा, मोहित जोशी, आर मास्टर, पप्पू चंद्राकर, अमित गोस्वामी, ओपी सिंह, रजत सिंह राजपूत, डीओपी-रजत सिंह राजपूत,गायक-सुनील सोनी, मोनिका वर्मा, अनुराग शर्मा, तोषांत कुमार, अतिरिक्त स्वर - राजन कर, गीत-मोनिका वर्मा, ओमी स्टाइलो, संगीत-मोनिका वर्मा, तोषांत कुमार, ओमी स्टाइलो, कोरियोग्राफर-चंदन दीप, मनोज दीप, रजत सिंह राजपूत,बीजीएम -मनोहर यादव,म्यूजिक अरेंजर-प्रफुल्ल बेहरा,फाइट मास्टर-सतीश अन्ना (चेन्नई), सम्पादक -गौरांग त्रिवेदी,सहायक संपादक-तुषार ठाकुर, वीएफएक्स-प्रवीर दास, डीआई-हमिंग बर्ड वीएफएक्स मुंबई, मेकअप-कांता नायक,कला-राम यादव, स्टिल फोटोग्राफी-देसी राजा,गिम्बल-आर्यन एस.एस,पोस्टर डिजाइन-मंडल ग्राफिक्स शामिल हैं।

समर सीजन में अपनाएं ग्रे कलर आउटफिट्स

समर में अक्सर हम ढीले-ढाले और पतले कपड़े से बने आउटफिट्स को स्टाइल करना पसंद करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे हमें पसीना कम आता है साथ ही यह पहनने में भी कम्फर्टेबल रहते हैं। लेकिन इन्हें खरीदते समय जरूरी है कि आप आउटफिट के सही कलर को चूज करें, ताकि इन्हें पहनने के बाद आप कम्फ़र्टबल फील करें। ऐसे में आप ग्रे कलर के आउटफिट्स को वियर कर सकती हैं।

टाई टी-शर्ट ड्रेस

अगर आप बाहर किसी पार्टी में या आउटटिंग के लिए जा रही हैं तो इसके लिए आप टाई टी-शर्ट ड्रेस को वियर कर सकती हैं। ग्रे कलर लाइट कलर के साथ-साथ कूल कलर भी होता है। इसलिए समर सीजन में सबसे ज्यादा पहना जाता है। आप इसके साथ चाहें तो ज्वेलरी और कुछ ट्रेंड एक्सेसरीज को एड कर सकती हैं, जिससे आउटफिट अच्छा लगे। मार्केट में इस तरह की ड्रेस आपको टी-शर्ट वाले कपड़े में भी मिल जाएगी। साथ ही आप चाहें तो इसे जॉर्जेट फैब्रिक में खरीद सकती हैं। इसके लिए आपको बाजार में 250 से 500 रुपये खर्च करने पड़ेंगे।

जंपसूट करें वियर

आप समर सीजन में जंपसूट को भी वियर कर सकती हैं। इसमे आपको प्लेन और प्रिंटेड जंपसूट के डिजाइन मिल जाएंगे। जिसे आप पार्टी या नॉर्मल डे में भी पहन सकती हैं। ग्रे कलर अच्छा लगता है। इसलिए आप चाहें तो इसके साथ लाइट ज्वेलरी को स्टाइल कर सकती हैं, जिससे आपका लुक अच्छा लगे। मार्केट में इस तरह के जंपसूट 100 से 200 रुपये में मिल जाएंगे।

बॉडीकॉन ड्रेस करें स्टाइल

ग्रे कलर में आप बॉडीकॉन ड्रेस को भी वियर कर सकती हैं। इसमें भी लुक अच्छा लगता है। साथ ही पार्टी में पहनने के लिए बेस्ट होती है। आप चाहें तो इसमें प्रिंटेड डिजाइन ले सकती हैं या डार्क ग्रे कलर को वियर कर सकती हैं। इस लुक को और अच्छा बनाने के लिए साथ में सिल्वर कलर की ज्वेलरी को भी स्टाइल कर सकती हैं। मार्केट में समर सीजन में इस तरह की ड्रेस आसानी से मिल जाएगी। जिसे आप 250 से 500 रुपये में खरीद सकती हैं।

नाईट क्रीम में घी का करें इस्तेमाल

स्किन की केयर करने के महिलाएं कई सारे उपाय करती है साथ ही कई तरह के प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं। इन चीजों का इस्तेमाल करने के बाद भी कई बार रिजल्ट आपकी इच्छा अनुसार नही आता है और स्किन से जुड़ी समस्या ज्यों की त्यों बनी रहती हैं। जहां दिन भर में स्किन की केयर करने के लिए महिलाएं कई सारे उपाय और प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं तो वहीं रात के समय स्किन की केयर करने में मामले में महिलाएं केयरलेस हो जाती हैं लेकिन स्किन की केयर रात में भी जरुरी हैं।

स्किन के लिए फायदेमंद है घी

घी में कई सारे गुण पाए जाते हैं और ये सभी गुण सहते के साथ-साथ बालों और स्किन के लिए फायदेमंद हैं। घी में एंटीमाइक्रोबियल गुण पाए जाते हैं और ये गुण स्किन से जुड़ी समस्या को कम करने में मदद करते हैं। वहीं घी में फैटी एसिड्स होते हैं जो स्किन के लिए फायदेमंद है साथ ही घी में पाए जाने वाले कई सारे और गुण स्किन से जुड़ी समस्या को कम करने में मदद करते हैं। इसे भी पढ़ें :घर पर ही इन तीन तरीकों से बनाएं एंटी-फ्रिज हेयर सीरम

रात के समय चेहरे पर घी लगाने से ड्राई स्किन से छुटकारा मिलता है और चेहरे के दाग धब्बे भी कम हो जाते हैं। वहीं रात के समय घी का इस्तेमाल करने से चेहरे की स्किन मुलायम और चमकदार भी होती हैं। वहीं स्किन को मॉइस्चराइज करने के लिए आप घी का इस्तेमाल किया जा सकता है साथ ही रात के समय घी लगाने से चेहरे की त्वचा ग्लो भी करेगी। रात के समय चेहरे पर स्किन लगाने से चेहरे पर रूखापन कम होता है साथ ही चेहरे से जुड़ी कई सारे समस्या भी कम होती है।

क्रोशिया का फैशन

लाइफ स्टाइल

मार्नी स्प्रिंग/समर रेडी-टू-वियर फैशन शो हाल ही में मिलान फैशन वीक के दौरान प्रस्तुत किया गया। जिसमें डिजाइनरों के कलेक्शन में पैटर्न, रंग और बनावट के मिश्रण के साथ बोल्ड, खिले हुए चटख रंगों के डिज़ाइन शामिल थे। इनमें क्रोशिया की बुनाई ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। कभी हस्तकला में शामिल रही क्रोशिया अब मशीनों से बुनाई की जाने वाली कला बन चुकी है।

स्टाइल करें स्मार्ट फुटवियर, रहेंगी कम्फर्टेबल

हम जब भी कहीं जानें के लिए तैयार होते हैं तो सबसे पहले अपने लिए कपड़ों को सर्च करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे लुक अच्छा लगता है। साथ ही हम चल रहे ट्रेंड को फॉलो कर पाते हैं। इसके बाद फिर हम मेकअप से अपने लुक को खूबसूरत बनाते हैं। लेकिन कुछ तभी पूरा होता है जब आप पैरों में सही तरीके के फुटवियर को स्टाइल करते हैं। जिन्हें पहनकर आप कंफर्टेबल भी रहें। इंडियन आउटफिट के साथ पहनने वाले आउटफिट के बारे में हम आपको बताते हैं।

शरारा के साथ पहनें स्ट्रैपी हील्स

शरारा आजकल काफी ट्रेंड में है इसलिए लड़कियां इसे शादी और नॉर्मल फंक्शन में पहनना भी पसंद करती हैं। लेकिन अक्सर इस बात को लेकर कंफ्यूज हो जाती हैं कि किस तरह की फुटवियर को सूट के साथ स्टाइल करें। आप इसके साथ स्ट्रैपी हील्स को वियर करें। ऐसा इसलिए क्योंकि इसे पहनने से आपकी हाइट लंबी लगेगी। साथ ही आपका शरारा नीचे से गंदा भी नहीं होगा।

चूड़ीदार सूट के साथ पहनें क्लोज टो सैंडल

चूड़ीदार सूट भी कई सारी लड़कियां पहनना पसंद करती हैं। अगर आपको भी ऐसे सूट पहनना पसंद है तो इसके साथ आप क्लोज टो वाले सैंडेल को वियर कर सकती हैं। इससे आपको मिलेगा एक बेलेंस लुक। इसमें आप ओपन टो वाली सैंडल भी ले सकती हैं और क्लोज वाली भी। इससे आपके पैरों में एयर भी जाती रहेगी तो गर्मी में इसे पहनने में कोई दिक्कत भी नहीं होगी। मार्केट में इस तरीके की सैंडल आपको 250 से

मैट लिपस्टिक करती है होंठों को ड्राई? जानें इसकी सच्चाई

हैवी मेकअप चाहे हम रोजाना न करें, लेकिन लिपस्टिक को लगभग हम सभी रोजाना होंठों पर लगाते ही हैं। आमतौर पर इसके कलर को चुनने के लिए हम स्किन टोन को ध्यान में रखते हैं। वहीं इनमें आपको कई तरह के टेक्सचर भी देखने को मिल जाएंगे। टेक्सचर के अलावा एक मिथ यह भी मन में आता है कि क्या लिपस्टिक आपके होंठों की ड्राईनेस को बढ़ाती है या यह केवल एक मिथ है? तो आइये जानते हैं इस कि मैट लिपस्टिक क्या सच में होंठों को ड्राई कर देती हैं-

कितने तरह की होती है लिपस्टिक?

लिपस्टिक के कई प्रकार होते हैं। इनमें सबसे ज्यादा लिक्विड और क्रेयॉन को इस्तेमाल किया जाता है। इन 2 टेक्सचर के अलग-अलग फायदे और नुकसान भी होते हैं। लिक्विड की बात करें तो इनमें ऑयल की मात्रा कम होती है और यह क्रेयॉन के मुकाबले ज्यादा देर तक होंठों पर टिकी हुई रहती है। वहीं क्रेयॉन लिपस्टिक में कई प्रकार आपको देखने को मिलेंगे, जिनमें साटन मैट और मैट शामिल है। साटन मैट लिपस्टिक में काफी हल्की सी शाइन होती है और मैट में शाइन बिल्कुल भी नहीं होती है।

किस तरह की लिपस्टिक कर सकती हैं होंठों को ड्राई?

होंठों की ड्राईनेस को बढ़ाने के लिए केवल लिपस्टिक नहीं, बल्कि लिपस्टिक को बनाते समय इस्तेमाल होने वाले केमिकल भी जिम्मेदार होते हैं। वहीं ज्यादातर मैट क्रेयॉन और और लिक्विड लिपस्टिक में ऑयल की मात्रा कम होती है, जिसके कारण होंठों पर कलर लम्बे समय तक टिका रहता है लेकिन यह होंठों की त्वचा को ड्राई करने का काम भी करता है।

कार्नर न्यूज

कुछ टिप्स अपना कर आप खुद में ला सकते हैं निखार

इस मौसम में 'ड्रेस वेल' बनना है तो रंगों और पैटर्न का ध्यान रखते हुए हो जाएं कूल-कूल, मिलेगी भरपूर तारीफ

'ड्रेस वेल' कैसे कहलाएं

बढ़िया ड्रेसिंग गैर डिजाइनर और सस्ते कपड़ों में भी की जा सकती है। लेकिन इसके लिए आपको कुछ टिप्स याद रखने होंगे-

फिटिंग कैसी है

कपड़े सस्ते से ही हों लेकिन उनकी फिटिंग सही हो तो मानिए कि ये आप पर अच्छे लगेंगे ही। इसलिए सूट जैसे कपड़ों में तो खासतौर पर फिटिंग का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। सूट में तो कंधों की फिटिंग जांचना जरूरी होता है।

घड़ियों में भी करें निवेश

घड़ी को हाथ के हिसाब से चुनें। ये न ज्यादा बड़ी हो और ना ही छोटी। इसलिए आप घड़ी बस सुंदरता या फिर दूसरों के स्टाइल को कॉपी करके न लें। ये अगर सही से चुनी जाए तो स्टाइल स्टेटमेंट बन जाएगी।

रंग भी बनें स्टाइल

पुरुष आज भी कपड़े खरीदते हैं तो रंगों से दूर भागते हैं। उन्हें अपने लिए सफ़ेद, काले, भूरे और नीले जैसे रंग ही समझ आते हैं।

अपने कपड़ों को लेकर हो सकता है कि आप चूजी कहलाते हों। हो सकता है कि आप महंगे कपड़े भी खूब खरीदते हों। इसके अलावा ये भी हो सकता है कि आप रंगों और पैटर्न का भी ध्यान रखते हों। लेकिन इतनी मेहनत के बाद क्या आपको ड्रेस वेल कभी भी बोला गया है? नहीं न। ऐसा इसलिए क्योंकि आपने ड्रेसिंग के बेहतरीन और जरूरी नियमों को इग्नोर कर दिया है।

सिर्फ खरीदारी से काम नहीं चलेगा

आपने महंगे-महंगे कपड़े खरीदें हैं और इनको खरीदने के लिए आप मेहनत भी खूब करते हैं। लेकिन इसके बावजूद इन कपड़ों को दूसरी बार पहनने में ही आपका लुक बिगड़ जाता है। दूसरी बार पहनने में ही सबको लगता है कि ये आपके पुराने कपड़े हैं। दरअसल सिर्फ कपड़े खरीद लेने से काम नहीं चलता है। बल्कि कपड़ों या फिर जूतों का ध्यान भी रखना होता है। जैसे सूट है तो उसे समय-समय पर ड्राई क्लीन कराते रहें। या फिर जूतों को नियम से साफ़ करना या पॉलिश करना न भूलें।

जूतों पर भी लगाएं पैसे

ड्रेस वेल वाले खांचें में फिट बैठना है तो आपको कपड़ों पर ही नहीं जूतों पर भी निवेश करना होगा। दरअसल ज्यादातर लोग कपड़ों पर तो पैसे लगाते हैं लेकिन जब बात जूतों की आती है तो वो पीछे हट जाते हैं। उनको लगता है कपड़े अच्छे होंगे तो जूतों तक किसी की नजर पहुंचेगी ही नहीं। जबकि ऐसा नहीं है। आपके पास हर ड्रेस के साथ वही सेम जूते पहनने का ऑप्शन नहीं होना चाहिए। ये अच्छी ड्रेस अप की निशानी बिलकुल नहीं है। आपके पास कम से कम हर तरह की स्टाइल के लिए 1 जोड़ी जूते होने चाहिए।